HEAT WAVE PLAN 2025-26

कार्यालय जिला कलक्टर आपदा प्रबन्धन,सहायता एवं नागरिक सुरक्षा विभाग, सिरोही

-o-

जिले का परिचय

सिरोही जिला एक दृष्टि में

उत्तरी अक्षांश	24° 20' से 25° 17' के मध्य
पूर्वी देशान्तर	72° 16' से 73° 10' के मध्य
क्षेत्रफल	5136 वर्ग किलोमीटर (517947 हैक्टयर)
सिंचित क्षेत्र	97468 हैक्टयर
असिंचित क्षेत्र	67508 हैक्टयर
वर्ष–2011 की जनसंख्या	पुरूष स्त्री योग 534231 502115 1036346
अनुसूचित जाति का प्रतिशत	19.15
अनुसूचित जनजाति का प्रतिशत	24.76
साक्षरता का प्रतिशत	पुरूष स्त्री योग 69.9 37.1 53.9
पशुधन	1028438
उपखण्ड	6 (सिरोही, शिवगंज, पिण्डवाडा, आबूरोड, आबूपर्वत, रेवदर)
पंचायत समितियॉ	5 (सिरोही, शिवगंज, पिण्डवाडा, आबूरोड, रेवदर)
तहसील	6 (सिरोही, शिवगंज, पिण्डवाडा, आबूरोड, रेवदर, देलदर)
उप तहसील	4 (कालन्द्री, कैलाशनगर, मण्डार, मावरी)
नगर परिषद / नगरपालिकाऐं	6 (सिरोही, शिवगंज, पिण्डवाडा, आबूरोड़, आबूपर्वत, मण्डार)
पुलिस थाने	15 + 1 महिला थाना
कुल ग्राम	520
ग्राम पंचायतें	170
भू.अभिलेख निरीक्षक वृत	41
कुल पटवार हल्के	165
लोकसभा क्षेत्र	जालोर – 18 (सामान्य)
विधानसभा क्षेत्र	03 1. 146–सिरोही (सामान्य) 2. 147–पिण्ड़वाड़ा–आबू (एस टी) 3. 148–रेवदर (एस सी)
टीएसपी क्षेत्र	आबूरोड तहसील :– ग्राम पंचायत 32, राजस्व ग्राम 97 पिण्डवाडा तहसील :– ग्राम पंचायत 11, राजस्व ग्राम 51

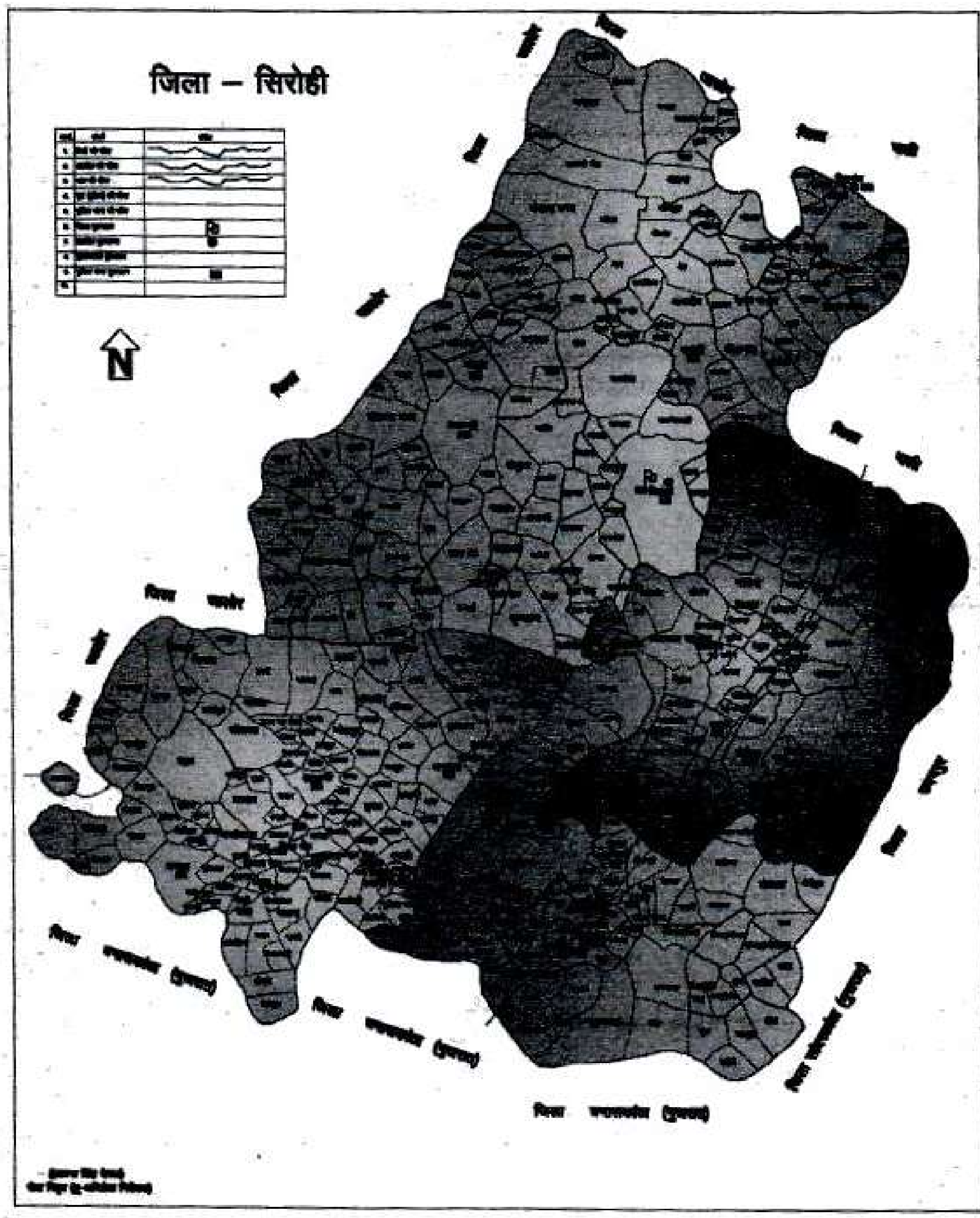
जिला – सिरोही
N

➢ जिला प्रशासन द्वारा की गई कार्यवाही–

- **नोडल अधिकारी**–जिले में हीटवेव प्रबन्धन के लिये जिला स्तर पर नोडल अधिकारी, अति. जिला कलक्टर सिरोही को नियुक्त किया गया है।

- **मौसम विभाग से प्राप्त चैतावनी**– मौसम विभाग से प्राप्त चैतावनी को संबंधित विभागों को भिजवाते हुये अपेक्षित कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये है।

- **प्रचार–प्रसार** जिले के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी सहित सभी संबंधित विभागों के सहयोग से आमजन में सूचनाओं, आवश्यक जानकारी Do's & Don'ts तथा चिकित्सकीय मार्गदर्शन का प्रसारण प्रिण्ट, इलेक्ट्रोनिक तथा सोशल मीडिया के माध्यम से किया जा रहा है तथा विभिन्न माध्यमों से प्रचार–प्रसार किया जा रहा है।

- **नियंत्रण कक्ष**–जिला स्तर पर नियंत्रण कक्ष 24 घण्टे राउण्ड–दी–क्लॉक संचालित है। जिसके दूरभाष नम्बर 02972–225327 एवं 221240 हैं।

- **साप्ताहिक बैठके**– प्रति सप्ताह साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित की जाकर हीटवेव के सम्बन्ध में आवश्यक निर्देश प्रदान किये जा रहे है।
- **निरीक्षण**– जिले में प्रशासनिक एवं चिकित्सा अधिकारियों द्वारा चिकित्सा संस्थानों का हीटवेव प्रबन्धन से संबंधित निरीक्षण किये जा रहे है।

➢ चिकित्सा व्यवस्था (दवाईया, डॉक्टर,व्यवस्था, निरीक्षण, सीएचसी/पीएचसी)

01–कुलर, पंखे, एसी–सभी चिकित्सा संस्थानों पर पानी, बिजली,कुलर, पंखे, एसी आवश्यकता अनुसार उलब्ध हैं ।

02–आरक्षित बैड–जिला अस्पताल में 20, सामुदायिक स्वा. केन्द्र में 10 एवं प्रत्येक प्रा.स्वा.केन्द्र पर 2–2 बैड आरक्षित रखे गये है।

03–बिजली–इन्वर्टर/जनरेटर की व्यवस्था उपलब्ध है।

04–दवाईयॉ–समस्त चिकित्सा संस्थानो पर पर्याप्त मात्रा में दवाईया उपलब्ध है।

05–चिकित्सकों की संख्या–137

06–निरीक्षण– चिकित्सालयों की संख्या–46

07–कुल सीएचसी की संख्या–12

08–कुल पीएचसी की संख्या–29

09–जिला अस्पताल–02

➢ आपातकालिन व्यवस्थाः–

एम्बुलेंस–जिले से कुल एम्बुलेंस–37

फायर ब्रिगेड– सिरोही–02, शिवगंज–01, पिण्डवाडा–01, आबूरोड–02, आबूपर्वत–02,मण्डार–0 कुल–08

➢ विद्यालय व्यवस्था–

- विद्यालयों में छात्रों को धुप में नही बिठाने एवं छात्रों को छाया में बैठने की व्यवस्था हेतु समस्त सीबीईओं/पीईईओं को निर्देशित किया गया।
- जिले के समस्त राजकीय एवं गैर राजकीय विद्यालयों में पीने के पानी की पर्याप्त व्यवस्था हेतु समस्त सीबीईयों/पीईबीओं को निर्देश प्रदान किये गये है।
  समस्त सीबीईओं/पीईईओं को अपने–अपने क्षैत्राधिकार के नजदीक चिकित्सालय से परस्पर समन्वय स्थापित कर आवश्यक
- दवाईयों, मेडिकल किट, प्राप्त करने हेतु निर्देश प्रदान किये गये।

➤ नगर परिषद/नगर पालिका

बस स्टेण्ड मुख्य चौराहे/भीडभाड वाली जगह पर व्यवस्था (नोडल ऑफिसर का नाम, पद एवं मो.नम्बर)

नगर परिषद सिरोही

01–व्यवस्था– सिरोही–बस स्टेण्ड, गोयली चौराहा–छाया, पानी एवं टेण्ड की व्यवस्था की गई है।
02–नोडल ऑफिसर–श्री ओमसिंह राजपुरोहित, प्रबन्धक, मो.नं.–8619477404
03–नियंत्रण कक्ष–नगर परिषद सिरोही के नियंत्रण कक्ष नम्बर– 02972–222123

नगर पालिका शिवगंज

01–व्यवस्था– बस स्टेण्ड, मेन मार्केट–छाया, पानी एवं टेण्ड की व्यवस्था की गई है।
02–नोडल ऑफिसर–श्री हितेन्द्र सिंह, निरीक्षक, मो.नं.–8107886969
03–नियंत्रण कक्ष–नगर पालिका शिवगंज के नियंत्रण कक्ष नम्बर– 02976–270113

नगर पालिका पिण्डवाडा

01–व्यवस्था– बस स्टेण्ड, उदयपुर रोड, आमली रोड–छाया, पानी एवं टेण्ड की व्यवस्था की गई है।
02–नोडल ऑफिसर–श्री अनिलसिंह राजपुरोहित, निरीक्षक, मो.नं.–8078673234
03–नियंत्रण कक्ष–नगर पालिका पिण्डवाडा के नियंत्रण कक्ष नम्बर– 02971–282270

नगर पालिका आबूरोड

01–व्यवस्था– बस स्टेण्ड, सदर बाजार,नगर पालिका के पास–छाया, पानी एवं टेण्ड की व्यवस्था की गई है।
02–नोडल ऑफिसर–श्री भवानी सिंह, निरीक्षक, मो.नं.–9079646283
03–नियंत्रण कक्ष–नगर पालिका आबूरोड के नियंत्रण कक्ष नम्बर–9079646283

नगर पालिका आबूपर्वत

01–व्यवस्था– नक्की क्षैत्र, अर्बुदा माताजी मंदिर, अम्बेडकर चौराहा, सनसेट के पास–छाया, पानी एवं टेण्ड की व्यवस्था की गई है।
02–नोडल ऑफिसर–श्री लक्ष्मण कुमार, कनिष्ठ अभियन्ता, मो.नं.–7014699081
03–नियंत्रण कक्ष–नगर पालिका आबूपर्वत के नियंत्रण कक्ष नम्बर–8306591122

गर्मी/ताप की लहर में करने योग्य कार्य–क्या करें (Do's)

समस्त के लिये

- रेडियों सुने/टीवी देखे/स्थानीय मौसम की जानकारी के लिये समाचार पत्र पढ या संबंधित मोबाईल एप डाउनलोड करें।
- पर्याप्त पानी पिये–आपने आप को हाईड्रेड रखने के लिये ओआरएस (ओरल रिहाईट्रेशन सॉल्यूसन) घर के बने पेय जैसे– लस्सी, निबूं का पानी, छाछ आदि का सेवन करें।
- हल्के रंग के ढीले, सूती कपडे पहनें।
- यदि कही बाहर है, तो अपना सिर ढके–कपडे, टोपी या छतरी का उपयोग करें। आंखों की सुरक्षा के लिये धूप के चश्में प्रयोग करें और त्वचा की सुरक्षा के लिये सनस्क्रीन लगाये।
- प्राथमिक चिकित्सा में प्रशिक्षण ले।

नियोक्ता और श्रमिकों के लिए

- कार्य स्थल पर ठंडे पेयजल का प्रयोग करें।
- सभी श्रमिकों के लिये आराम के लिए छाया ,साफ पानी, छाछ, आईस पैक के साथ प्राथमिक चिकित्सा किट और ओआरएस (ओरल रिहाइट्रेशन सॉल्यूसन) का प्रबन्ध रखें।
- श्रमिकों के लिये सीधी धूप से बचने के लिये कहे।
- श्रमसाध्य कार्यों को दिन के कम ताप वाले समय में ही करें।
- बाहरी गतिविधियों के दौरान विश्राम करने की आवृत्ति और सीमा समय बढाये।
- श्रमिकों को लू से संबंधित चेतावनी के बारे में सूचित करें।
- जिन श्रमिकों के लिये गर्मी वाले क्षेत्र नए हो, उन्हें हल्का काम और कम घंटो का काम दें।

बरतने योग्य अन्य सावधानियां

- बंद वाहन में बच्चों या पालतू जानवरों को कभी अकेला ना छोडे
- पंखे और नम कपडो का प्रयोग करें, ठंडे पानी में स्नान करें।
- सार्वनिक परिवहन और कार–पूंलिंग का प्रयोग करें। यह भूमण्डलिय उष्मीकरण और गर्मी को कम करने में मदद करेगा।
- पेड लगाये। सूची पत्तियों, कृषि अवशेषों और कचरे को न जलाये।
- जल स्त्रोंतो का संरक्षण करें। वर्षा के जल को संचयित करें।
- Åर्जा–कुशल उपकरणों, स्वच्छ ईधन और Åर्जा के वैकल्पिक स्त्रोतो का उपयोग करें।
- अगर आपको चक्कर आ रहे हैं या आप अस्वस्थ महसूस कर रहे हैं तो तुरन्त डॉक्टर के पास जाये या किसी को तुरन्त डॉक्टर के पास जाने के लिये कहें।

नया घर बनाते समय ध्यान रखने योग्य बचाव

- नियमित दीवारों की बजाय कैविटी तकनीक का उपयोग करें।
- चौडी दीवारे बनवाये। वें घर को ठंडा रखती है।
- जालीदार दीवारें और लोब वाले उदघाटनों का निर्माण करें। वे अधिकतम वायु–प्रवाह कर गर्मी को अवरूद्व करते है।
- दीवारों को रंगने के लिये प्राकृतिक सामग्री जैसे चूने या मिट्टी का प्रयोग करे।
- यदि संभव हो हो कांच के इस्तेमाल से बचे
- निर्माण करने से पहले बिल्डिंग टेक्नोलॉजी विशेषज्ञ से सलाह लें।

मवेशियों के लिये

- पशुओं को छाया में रखें और उन्हें पीने के लिए पर्याप्त, स्वच्छ और ठंडा पानी दे।
- उनसे सुबह 11 बजें से शाम 4 बजें के बीच काम न ले।

- शेड की छत को पुआल से ढक दे, तापमान कम करने के लिये इसे सफेद रंग/चूने से रंग दे या गोबर से लीप दे।
- लेड में पंखे, वाटर स्प्रे और फॉमर्स का प्रयोग. करे ।
- अत्यधिक गर्मी के दौरान, पानी का छिडकाव करे और मवेशियों को ठंडा करने के लिए एक जल निकाय पर ले जाए।
- उन्हे हरी घास, प्रोटीन वसा बाईपास पूरक, खनिज मिश्रण और नमक दें। कम गर्मी वाले घंटों के दौरान उन्हे चरनें दें।

क्या न करें (Don't)

- धूप में बाहर जाने से बचे, खासकर दोपहर 12 और 3 बजे के बीच ।
- दोपहर में बाहर भारी कामों से बचे।
- नंगे पांव बाहर न जायें ।
- दिन के सबसे गर्म समय के दौरान खाना पकाने से बचे। खाना पकाने वाले हिस्से को हवादार बनाए रखने के लिए दरवाजे और खिडकियां खुली रखे।
- शराब, चाय, कॉफी और कॉर्बोनेटेड शीतल पेय से बचें। वे शरीर को निर्जलित करते है।
- अधिक प्रोटीन वाले भोजन से बचें। बासा भोजन ना करे ।
- पार्क किए गए वाहनों में बच्चों या पालतू जानवरों को न छोडे, वे गर्म हवा से प्रभावित हो सकते है ।
- ऐसे बल्बों का उपयोग करने से बचे जो अनावश्यक गर्मी उत्पन्न करते है, ठीक वैसे ही जैसे कि लगातार चलते हुए कम्प्यूटर या बिजली के उपकरण ।

लू से प्रभावित व्यक्तियों के उपचार के लिए उपाय

- लू से प्रभावित व्यक्ति के उपचार के लिए उपाय
- तापमान को कम करने के लिए पीडित के सिर पर गीले कपड़े का उपयोग करे/पानी डाले।
- व्यक्ति को ओआरएस /नीबू शरबत या जो कुछ भी शरीर को पुनः सक्रिय करने के लिए उपयोगी हों, पीने के लिए दे ।
- व्यक्ति को तुरन्त नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र ले जाये ।
- यदि लगातार उच्च तापमान बना रहता है और सिरदर्द, चक्कर आना, कमजोरी, मतली या भटकाव आदि के लक्षण स्पष्ट महसूस हो तो ऐसी स्थिति में 100 नं पर कॉल करे ।

NDMA Advisory For Heat Wave-2025

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

- विभिन्न स्थानों पर हीट वेव अलर्ट के लिए कलर कोडिंग वाले डिस्प्ले डिजिटल बोर्ड लगाएं।
- सामान्य जागरूकता के लिए क्या करें और क्या न करें का व्यापक रूप से प्रचार करें, अधिमानतः क्षेत्रीय भाषा में।
- क्षेत्रीय भाषा में आईईसी प्रिंट सामग्री (प्रिंट सामग्री, रेडियो–जिंगल्स और टीवी) प्रकाशित करें।

स्वास्थ्य विभाग

- स्वास्थ्य केंद्रों और आंगन बाड़ियों में ओआरएस पैकेट, आवश्यक दवाएं, अंतःस्रावी तरल पदार्थ, आइस पैक आदि का पर्याप्त भण्डारण रखें।
- गर्मी की लहर से संबंधित किसी भी स्थिति से निपटने के लिए विशेष एसी वार्ड समर्पित किए जा सकते हैं।
- जिला अस्पतालों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में प्रारंभिक चेतावनी प्रसार की निगरानी।
- ग्राम स्तर तक स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को दिशा–निर्देश एवं प्रशिक्षण।
- गर्मी की लहर के कारण मृत्यु दर और मृत्यु की रुग्णता की निगरानी और रिपोर्टिंग सख्ती से पालन किया जा सकता है।
- यदि कोई सामूहिक जमावड़ा हो तो आसपास की स्वास्थ्य सुविधाओं को सतर्क और सक्रिय किया जा सकता है।

शहरी स्थानीय निकाय / पंचायती राज

- ग्रामीण विकास और श्रम एवं रोजगार, विभागों के सहयोग से मनरेगा श्रमिकों, निर्माण श्रमिकों के लिए विशेष आश्रय स्थापित करना और उनके काम के घंटों को पुनर्निर्धारित करना।
- लू प्रभावित क्षेत्रों /मोहल्लों में पेयजल सुविधा की व्यवस्था करना।
- पार्कों, बस स्टैण्डों, पर्यटन स्थलों एवं खुले क्षेत्रों में छाया की व्यवस्था करें।
- सभी क्षेत्रों विशेषकर अनौपचारिक बस्तियों में पानी की निर्बाध आपूर्ति।

श्रम विभाग

- गर्मी की लहर से संबंधित बीमारियों के संबंध में निर्माण / उद्योग/वाणिज्यिक अधिकारों के साथ प्रशिक्षण।
- चरम गर्मी के घंटों से बचने के लिए काम के समय पर सलाह जारी की जा सकती है।
- स्वास्थ्य विभागों के सहयोग से विशेष रूप से अनौपचारिक क्षेत्रों और बस्तियों में स्वास्थ्य शिविर,
- श्रमिकों के लिए सभी कार्य परिसरों में पेयजल की सुविधा ।
-

कृषि एवं पशुपालन

- शीत भंडारण सुविधाएं सुनिश्चित करके तथा सार्वजनिक खरीद के लिए मंडियों / बाजारों में शीघ्र आवाजाही सुनिश्चित करके गर्मी के कारण न्यूनतम फसल क्षति सुनिश्चित करके के लिए जागरूकता फैलाना।
- पशुओं पर गर्मी के प्रभाव और उससे निपटने के तरीकों के बारें में जागरूकता करना।
- पशुओं के लिए पशु चिकित्सा दवाईयां और पीने के पानी के साथ आश्रय स्थल की व्यवस्था करना।

शिक्षा क्षेत्र

- अत्यधिक गर्मी / दोपहर से बचने के लिए स्कूल का समय पुनः निर्धारित किया जाना चाहिए। स्कूल जल्दी शुरू हो सकते हैं और दोपहर से पहले बंद हो सकते हैं।
- सभी स्कूलों और शैक्षणिक संस्थानों में पेयजल स्टेशन कियोस्क / शेड की स्थापना
- बाहरी शारीरिक गतिविधियों से बचना होगा।

जिला स्तर पर की जाने वाली कार्यवाही

- लू के कारण क्या करें और क्या न करें के बारे में जनता को सूचित और शिक्षित करने के लिए जागरूकता अभियान चलानां।
- गर्मी से संबंधित बीमारियों के जोखिमों और खतरों पर नियमित प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित करें सार्वजनिक भवनों, मॉल, धार्मिक स्थानों आदि जैसे शीतलन केंद्रों को सक्रिय करना।
- गैर सरकारी संगठनों, सामुदायिक समूहों और व्यक्तियों से लू की स्थिति के दौरान सार्वजनिक लू स्थानों पर पीने के पानी/छाछ के कियोस्क खोलने का आग्रह करें..करना।
- बिजली वितरण / पारेषण कंपनियों से अस्पतालों और यूएचसी जैसी महत्वपूर्ण सुविधाओं के लिए बिजली आपूर्ति बनाए रखने को प्राथमिकता देने का आग्रह करना।
- चुनाव के मतदान के समय और अन्य सभी आवश्यक उपायों के लिए जिला निर्वाचन अधिकारी के साथ समन्वय करना।
- स्थानीय स्तर पर जब भी आवश्यकता हो, स्कूलों, कॉलेजों, संस्थानों आदि के समय में परिवर्तन करना।

विभागवार की गई कार्यवाही कार्यवाही

क.सं.	नाम विभाग	विभाग द्वारा की गई कार्यवाही
01	पुलिस विभाग	जिला पुलिस अधीक्षक, सिरोही के पत्रांकः 2146 दिनांक 12.04.2025 एवं पत्रांक 2147 दिनांक 13.04.2025 के द्वारा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी सिरोही के पत्रांकः 935 दिनांक 10.04.2025 एवं जिला कलक्टर सिरोही के पत्रांकः 131 दिनांक 11.04.2025 के निर्देशों को प्रचार–प्रसार एवं बचाव एवं तैयारियों/अग्रिम व्यवस्था हेतु अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सिरोही, समस्त वृताधिकारी/थानाधिकारी जिला सिरोही/संचित निरीक्षक, पुलिस लाईन सिरोही प्रभारी, अपराध शाखा/जिला विशेष शाखा/कन्ट्रोल रूम को निर्देशित किया गया।
02	उप वन रक्षक (वन्यजीव) सिरोही	**सिरोही**
		वन मण्डल अधिन वन क्षेत्र में निर्मित वाटर हॉल की साफ सफाई करवायी जाकर नियमित रूप से पानी की व्यवस्था की जा रही है।
		वन मण्डल, सिरोही अधिन वन क्षेत्रो में वनाग्नि दुर्घटनाओ की रोकथाम हेतु फायर लाईन निर्माण किया गया है एवं फायर वॉचर द्वारा नियमित निगरानी कर वन कर्मियो वनाग्नि रोकथाम की कार्यवाही की जा रही है।
		इस वन मण्डल को आवंटित बजट से वन्यजीवो को पानी की व्यवस्था वॉटर हॉल द्वारा की जा रही है एवं वनक्षेत्र के बाहर खाली पड़े यॉटर हॉल में पानी की व्यवस्था प्रशासनिक विभाग द्वारा की जाती है।
		हीट वेव से पीडित वन्यजीवो की सूचना प्राप्त होने पर वन कर्मियो द्वारा रेस्क्यू कर उपचार किया जाता है।
		वन मण्डल सिरोही अधीन कार्यरत समस्त वन कर्मियो के मोबाईल नं. FSI पोर्टल पर रजिस्टर्ड है जिससे अग्नि दूर्घटना होने पर तुरन्त अलर्ट मैसेज प्राप्त होता है। जिससे वन कर्मि वांछित स्थान पर तुरन्त पहुंच कर वनाग्नि पर काबू पाते है।
		विभाग द्वारा उच्च कार्यालय से प्राप्त निर्देशो/ लक्ष्यो अनुसार प्रतिवर्ष वनक्षेत्रो मे वृक्षारोपण करवाया जाता है एवं स्थानीय पंचायतो एवं अन्य संस्थाओं को भी पौध वितरण किया जाता है। एवं वनक्षेत्र के बाहर खाली पडे वॉटर हॉल मे पानी की व्यवस्था प्रशासनिक विभाग द्वारा की जाती है।
		वन मण्डल सिरोही अधीन कार्यरत समस्त वन कर्मियो के मोबाईल नं. FSI पोर्टल पर रजिस्टर्ड है जिससे अग्नि दूर्घटना होने पर तुरन्त अलर्ट मैसेज प्राप्त होता है। जिससे वन कर्मि वांछित स्थान पर तुरन्त पहुंच कर वनाग्नि पर काबू पाते है।
	उप वन संरक्षक	(1)–वन्यजीव अभयारण्य में विभिन्न प्रकार के वन्यजीव यथा स्लोथ बियर, पेंथर, सांभर, जगली सुअर जगली बिल्ली जगली मुर्गे एवं अन्य वन्यजीव व पक्षी पाये जाते है। ग्रीष्मकाल में वन्यजीवों एवं पक्षियों हेतु पानी की व्यवस्था वन विभाग द्वारा कुल 105 प्राकृतिक एवं कृत्रिम जल स्त्रोतों की सफाई कर उनमें आवश्यकतानुसार पानी डलवाकर की जाती है साथ ही मानव वन्यजीव संघर्ष को रोकने यो लिये वनक्षेत्रों को चारों ओर सुरक्षा दीवार का निर्माण कराया जाकर ग्रीष्म ऋतु में जल स्त्रोतों में आवश्यकतानुसार पानी उलवाकर वन्यजीवों को वनक्षेत्र से बाहर जाने से रोका जाता है ताकि वन्यजीव पानी की तलाश में वनक्षेत्र के बाहर नहीं आवे।

		(2)– वन्यजीव अभयारण्य माउन्ट आबू में वनाग्नि की घटनाओं का योजनाबद्ध तरीके से बेहतर प्रबन्धन किया जाता है। असामाजिक तत्वों द्वारा पिछले कुछ दिनों से वन्यजीव अभयारण्य क्षेत्र के विभिन्न हिस्सो में आगजनी की घटनाएं घटित हो रही है। वन विभाग के पास स्टाफ की कमी एवं सीमित सत्ताधनों के बावजूद भी आगजनी की घटनाओं पर अकुश लगाने का प्रयास किया जा रहा है। वनाग्नि के. बेहतर प्रबन्धन हेतु कमेटी गठित कर कर्मचारियों को अलर्ट मांड पर रखा जाता है तथा वनाग्नि की घटनाओं की रोकथाम हेतु आवंटित बजट के अनुसार फायर लाईन निर्माण/सधारण कार्य करवाये जाते है।
		(3)– ग्रीष्मकाल में वन्यजीवों एवं पक्षियों हेतु पानी की व्यवस्था वन विभाग द्वारा कुल 105 प्राकृतिक एवं कृत्रिम जल स्त्रोतों की सफाई कर उनमें आवश्यकतानुसार पानी डलवाकर कर जाती है।
		(4)– वन्यजीव अभयारण्य क्षेत्र में हीटवेव से पीडित वन्यजीवो का रेस्क्यू कर उपचार कार्य भी किया जाता है।
		(5)–इस कार्यालय द्वारा समय–समय पर जारी कार्यालय आदेशो के तहत कर्मचारियों की वनाग्नि के बेहतर प्रबन्धन हेतु कमेटी गठित कर कर्मचारियों को अलर्ट मोड पर रखा जाता है ताकि वनाग्नि की घटना घटित होने पर तुरन्त काबू किया जा सके।
		(6)–प्रत्येक वर्ष वर्षा ऋतु में निर्धारित शुल्क अनुसार पौध वितरण का कार्य प्रस्तावित माह जुलाई से किया जाना है। पिच पीरियड में पीने के पानी की व्यवस्था को पूर्ण करने के साथ ही विभिन्न चनइसपबपजल, एवं अवेयरनेस, वन्यजीव सुरक्षा सप्ताह एवं वैटलेण्ड दिवस इत्यादि गनाये जाते है। तथा वर्षा ऋतु में वृक्षारोपण कार्य भी किया जाता है।
		(7)–माउण्ट आबू वन्यजीव अभयारण्य अधिन कार्यरत समस्त वन कर्मियों के मोबाईल न. एफ. एस. आई पोर्टल पर रजिस्टर्ड है जिससे अग्नि दुर्घटना होगे पर तुरन्त अलर्ट मैसेज प्राप्त होता है जिससे वन कर्मी वांछित स्थान पर स्थानीय लेबर के साथ पहुंच कर वनाग्नि पर काबू पाते है।
03.	मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जिला परिषद सिरोही एवं विकास अधिकारी समस्त	**मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जिला परिषद सिरोही** के अनुसार :– माननीय न्यायालय से सप्रेरणा संज्ञान द्वारा हीवेव की तैयारियों हेतु समस्त विकास अधिकारियों को पालना हेतु निर्देशित किया गया। **विकास अधि.पं.स.सिरोही**– बीसीएमओं को पत्र लिखकर कार्य स्थल पर उक्त व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु ग्राम विकास अधिकारियों को निर्देशित किया गया है। उक्त व्यवस्था की जा रही है। **विकास अधि.पं.स.शिवगज**– बीसीएमओं को पत्र लिखकर निर्देशित किया जा चुका है। **विकास अधि.पं.स.रेवदर**– बीसीएमओं को निर्देशित कर ए.एन.एम. द्वारा समस्त कार्य स्थलों पर उपलब्ध करवाया जा रहा है। **विकास अधि.पं.स.पिण्डवाडा**– मुख्य ब्लॉक चिकित्सा अधिकारी को निर्देशित कर दिया गया हैं। **विकास अधि.पं.स.आबूरोड**–बीसीएमओं को निर्देशित कर ए.एन.एम. द्वारा समस्त कार्य स्थलों पर उपलब्ध करवाया जा रहा है।
		विकास अधि.पं.स.सिरोही– उक्त व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु गाम विकास अधिकारियों को निर्देशित किया गया हैं। **विकास अधि.पं.स.शिवगज**– बीसीएमओं को पत्र लिखकर निर्देशित किया जा चुका है। **विकास अधि.पं.स.रेवदर**– बीसीएमओं को निर्देशित कर ए.एन.एम. द्वारा कार्य किया जा रहा है । **विकास अधि.पं.स.पिण्डवाडा**– मुख्य ब्लॉक चिकित्सा अधिकारी को निर्देशित कर दिया गया हैं। **विकास अधि.पं.स.आबूरोड**– बीसीएमओं को निर्देशित कर ए.एन.एम. द्वारा कार्य किया जा रहा है।
		विकास अधि.पं.स.सिरोही–उक्त व्यवस्था भामाशाह के सहयोग से करवाई जा रही हैं। **विकास अधि.पं.स.शिवगज**–करवा दी गई है। **विकास अधि.पं.स.रेवदर**–पेयजल की व्यवस्था करवाई जा रही है। **विकास अधि.पं.स.पिण्डवाडा**– करवा दी गई हैं। **विकास अधि.पं.स.आबूरोड**–पेयजल की व्यवस्था करवाई जा रही है।
		विकास अधि.पं.स.सिरोही– भामाशाहों के सहयोग से उक्त व्यवस्था करवाई जा रही है। **विकास अधि.पं.स.शिवगज**–करवा दी गई है। **विकास अधि.पं.स.रेवदर**– आवश्यकता अनुसार व्यवस्था की जा रही है। **विकास अधि.पं.स.पिण्डवाडा**– करवा दी गई हैं। **विकास अधि.पं.स.आबूरोड**–आवश्यकता अनुसार व्यवस्था की जा रही है।
		विकास अधि.पं.स.सिरोही–भामाशाह के सहयोग से काम जारी है। **विकास अधि.पं.स.शिवगज**–भामाशाह के सहयोग से काम जारी है। **विकास अधि.पं.स.रेवदर**– भामाशाह के सहयोग से कार्य जारी है। **विकास अधि.पं.स.पिण्डवाडा**– भामाशाह के सहयोग से काम जारी हैं। **विकास अधि.पं.स.आबूरोड**–भामाशाह के सहयोग से कार्य जारी है।

		विकास अधि.पं.स.सिरोही–उक्त व्यवस्था की जा रही है। **विकास अधि.पं.स.शिवगज**–0 **विकास अधि.पं.स.रेवदर**– आवश्यकता अनुसार व्यवस्था की जा रही है । **विकास अधि.पं.स.पिण्डवाडा**–0 **विकास अधि.पं.स.आबूरोड**–आवश्यकता अनुसार व्यवस्था की जा रही है ।
		विकास अधि.पं.स.सिरोही–कार्य स्थल पर मेडिकल किट की व्यवस्थाद करवा दी गई है। **विकास अधि.पं.स.शिवगज**– कार्य स्थल पर मेडिकल किट की व्यवस्थाद करवा दी गई है। **विकास अधि.पं.स.रेवदर**– कार्य स्थल पर मेडिकल किट की व्यवस्थाद करवा दी गई है। **विकास अधि.पं.स.पिण्डवाडा**– कार्य स्थल पर मेडिकल किट की व्यवस्थाद करवा दी गई है। **विकास अधि.पं.स.आबूरोड** – कार्य स्थल पर मेडिकल किट की व्यवस्थाद करवा दी गई है।
		विकास अधि.पं.स.सिरोही–कार्य स्थल पर मेडिकल उपलब्धता भोतिक सत्यापन एएमएम द्वारा सभी कार्यस्थल पर जाकर श्रमिकों को हिटवेव से बचाव के बारे में जानकारी प्रदान करना एवं मेडिकल किट उपलब्ध करवा दिये गये है। **विकास अधि.पं.स.शिवगज**– उपरोक्तानुसार करवा दिये गये है। **विकास अधि.पं.स.पिण्डवाडा**– उपरोक्तानुसार करवा दिये गये है। **विकास अधि.पं.स.आबूरोड**– उपरोक्तानुसार करवा दिये गये है।
		विकास अधि.पं.स.सिरोही–ग्राम पंचायत के सभी हैण्डपम्प कार्यशील है एवं खराब होने पर तत्काल मरम्मत हेतु जन स्वा. अभियांत्रिकी विभाग को सूचित किया जा रहा है। भामाशाह के सहयोग से करवाया जा रहा है। **विकास अधि.पं.स.शिवगज**–ग्राम पंचायत के सभी हैण्डपम्प कार्यशील है एवं भामाशाहो से करवाया जा रहा है। **विकास अधि.पं.स.रेवदर**–ग्राम पंचायत के सभी हैण्डपम्प कार्यशील है एवं भामाशाहो से करवाया जा रहा है। **विकास अधि.पं.स.पिण्डवाडा**– **ग्राम पंचायत के सभी हैडपम्प कार्यशील हैं। एंव भामाशाह से करवाया जा रहा हैं।** **विकास अधि.पं.स.आबूरोड**–ग्राम पंचायत के सभी हैण्डपम्प कार्यशील है। **इसके अतिरिक्त व्यवस्था** भामाशाह के सहयोग से करवाई जा रही है।
04	उपखण्ड अधिकारी समस्त/तहसीलदार	**सिरोही**– साप्ताहिक बैठक कर निर्देश दिए गए। **रेवदर**– सभी विभागों के साथ समन्वय एवं साप्ताहिक समीक्षा बैठक में हीटवेव के बचाव कार्य हेतु दिशा–निर्देश दिये जा रहे है। **पिण्डवाडा**– सभी ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों के साथ साप्ताहिक बैठक का आयोजन कर समीक्षा की जा रही है **आबूरोड/आबूपर्वत** –साप्ताहिक बैठक कर निर्देश दिये गये। **शिवगंज**– बैठक का अयोजन कर लिया गया है। **तहसीलदार सिरोही**:– विभागीय समन्वय बैठक तहसील कार्यालय में संबंधित विभागों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में नायब तहसीलदार भू अभिलेख निरीक्षक, पटवारी, ग्राम विकास अधिकारी तथा कृषि सुपरवाईजर को उनके दायित्वों से अवगत करवाया जाकर अपने मुख्यावास पर रहने के आवश्यक दिशा निर्देश जारी किये गये। **तहसीलदार पिण्डवाडा**– उपखण्ड स्तर पर साप्ताहिक बैठक (सोमवार) इस संबंध में आवश्यक कार्यवाही की गयी है एवं विभागों को आवश्यक दिशा निर्देश जारी किये गए है। **तहसीलदार शिवगज**– बैठक का अयोजन कर लिया गया है। **तहसीलदार वेलदर**– साप्ताहिक बैठक कर निर्देश दिये गये। **तहसीलदार ,रेवदर**–उपखण्ड कार्यालय द्वारा की जा रही है। **तहसीलदार आबूरोड**– साप्ताहिक बैठक कर निर्देश दिये गये।
		सिरोही –पंचायत स्तर पर प्रचार–प्रसार किया जा रहा है। **रेवदर**– सभी ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों का ग्रुप बने हुऐ एवं तापमान व मौसम की पुर्वानुमान सूचना समय पर दी जा रही है। **पिण्डवाडा**– सभी ओफिसियल ग्रुप व अन्य सोशल मिडिया के ग्रुप के माध्यम से हीटवेव से बचने की गाईडलाईन का प्रचार– प्रसार किया जा रहा है। **आबूरोड/आबूपर्वत**–पचायत स्तर पर प्रचार प्रसार किया जा रहा है। **शिवगंज**– सभी उपखण्ड स्तर के अधिकारियो का ग्रुप बना लिया है। **तहसीलदार सिरोही**:– पेयजल की व्यवस्था पटवारियों एवं सचिवों को गर्मी एवं पेयजल संकट से प्रभावित क्षेत्रों की रिपोर्ट तैयार करने हेतु निर्देशित किया गया। जलदाय विभाग से समन्वय कर विशेष पेयजान टैंकर की व्यवस्था हेतु सूचित किया गया है। **तहसीलदार पिण्डवाडा**– सभी संबंधित विभागों के उपखंड स्तरीय अधिकारियों का ग्रुप बना हुआ है जिसमें मौसम पूर्वानुमान की सुचना आमजन तक पहुँचाने हेतु संबंधित विभाग के अधिकारियों को पाबन्द

किया गया है ।
तहसीलदार शिवगज– सभी उपखण्ड स्तर के अधिकारियो का ग्रुप बना लिया है।
तहसीलदार देलदर– पंचायत स्तर पर प्रचार प्रसार किया जा रहा है।
तहसीलदार ,रेवदर–आमजन के व्हाट्स ग्रुप में मौसम के पूर्वानुमान के अर्ल्ट की सूचना समय पर मिजवाई जा रही है।
तहसीलदार आबूरोड– पंचायत स्तर पर प्रचार प्रसार किया जा रहा है।

सिरोही –सभी को हीटवेव के प्रति जागरूक किया जा रहा है।
रेवदर– सभी ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों को निरीक्षण एवं हीटवेव से बचाव कार्य हेतु निर्देशित किया गया है।
पिण्डवाड़ा– सभी अधिकारियों द्वारा फिल्ड विजिट कर आवश्यक पानी, बिजली चिकित्सा की व्यवस्था एव हीट वेव से बचाव हेतु आमजन को जागरूक किया जा रहा है।
आबूरोड/आबूपर्वत– सभी को हीटवेव के प्रति जागरूक किया जा रहा है।
शिवगंज– उपखण्ड स्तर के अधिकारियो द्वारा फिल्ड विजिट, रात्रि चौपाल, जनसुनवाई सभी को जागरूक किया गया।
तहसीलदार सिरोही:– ग्राम स्तर पर लू व तापघात से बचाव हेतु जनजागरूकता अभियान प्रारंभ किया गया है।
तहसीलदार पिण्डवाड़ा– उपखण्ड स्तर पर सभी उपखण्ड स्तरीय अधिकारियों को नियमित फील्ड विजिट कर आवश्यक पानी,
बिजली, चिकित्सा की व्यवस्था एवं हिटवेव से बचाव हेतु आमजन को जागरूक करने हेतु निर्देश जारी किए गए है।
तहसीलदार शिवगज–
उपखण्ड स्तर के अधिकारियो द्वारा फिल्ड कने विजिट, रात्रि चौपाल, जनसुनवाई सभी को जागरूक किया जा रहा है।
तहसीलदार देलदर– सभी को हीटवेव के प्रति जागरूक किया जा रहा है।
तहसीलदार ,रेवदर– फील्ड विजिट कर आवश्यक पानी बिजली चिकित्सा की व्यवस्था एवं हीटवेव से बचाव हेतु आमजन को जागरूक किया जा रही है।
तहसीलदार आबूरोड– सभी को हीटवेव के प्रति जागरूक किया जा रहा है।

सिरोही–समय–समय पर सीएचसी/पीएचसी का निरीक्षण कर आवश्यक व्यवस्थाओं के बारे में निर्देशित किया गया है। वार्डो में ए.सी. पंखा, कुलर आदि की सुविधा उपलब्ध है।
रेवदर– सभी सीएचसी/पीएचसी में निरंतर निरीक्षण किया जा रहा है। एवं मुख्य ब्लॉक चिकित्सा अधिकारी को समस्त व्यवस्था हेतु निर्देशित किया गया है।
पिण्डवाड़ा– सभी सीएचसी/पीएचसी स्तर पर डोर–टू–डोर सर्वे, हिटवेव से पीडित के उपचार हेतु आवश्यक दवाई, विशेष वार्ड पंखा, कूलर आदि की सुविधा की जा रही है। बिजली की वैकल्पिक व्यवस्था की गई है। नियमित सीएससी/पीएससी का निरीक्षण किया जा रहा है।
आबूरोड/आबूपर्वत– समय समय पर सीएचसी/पीएचसी का निरीक्षण कर आवश्यक व्यवस्थाओं के बार में निर्देशित किया गया है। वार्डो में ए.सी. पंखा, कुलर आदि की सुविधा उपलब्ध है।
शिवगंज– उपखण्ड क्षेत्र शिवगज में सीएचसी/ पीएचसी स्तर पर सुविधा की जा चुकी है।
तहसीलदार सिरोही:– मेडिकल अधिकारियों से समन्वय कर ओआरएस ग्लूकोज एवं प्राथमिक उपचार सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है।
तहसीलदार पिण्डवाड़ा– हिटवेव से बचाव हेतु किये जाने वाले उपायों का प्रचार प्रसार हेतु अपने सभी अधीनस्थ अधिकारियों कर्मचारीयों को पाबन्द कर आवश्यक व्यवस्था करने हेतु पाबन्द किया गया है।
तहसीलदार शिवगज– उपखण्ड क्षेत्र शिवगंज में सीएचसी / पीएचसी स्तर पर सुविधा की जा चुकी है। बिजली व्यवस्था की मोनिटरिंग की जा रही है।
तहसीलदार देलदर– समय–समय पर सीएचसी /पीएचसी का निरीक्षण कर आवश्यक व्यवस्थाओ के बारे में निर्देशित किया गया है वहां वार्डो में ए०सी०, पंखा, कुलर आदि की सुविधा उपलब्ध है।
तहसीलदार ,रेवदर– मोनीटरिंग एवं आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु निर्देश प्रदान किये जा रहे है।
तहसीलदार आबूरोड– समय–समय पर सीएचसी ६ पीएचसी का निरीक्षण कर आवश्यक व्यवस्थाओ के बारे में निर्देशित किया गया है वहां वार्डो में ए०सी०, पंखा, कुलर आदि की सुविधा उपलब्ध है।

सिरोही–नियमित पेयजल आपूर्ति हेतु उपखण्ड क्षेत्र सिरोही में फिल्ड विजिट कर समाधान किया गया।
रेवदर– पीएचडी विभाग के सहायक अभियंता को निर्देशित किया गया जलापूर्ति एवं समय समय पर निरीक्षण किया जा रहा है।
पिण्डवाड़ा–सहायक अभियंता जलदाय विभाग द्वारा प्रतिदिन गांव–गांव जाकर पानी सप्लाई की सुनिश्चिता की पालना की जा रही है।
आबूरोड/आबूपर्वत नियमित पेयजल आपूर्ति हेतु उपखण्ड क्षैत्र आबूरोड में फील्ड विजिट कर समाधान किय गया एवं उपखण्ड अधिकारी आबूपर्वत द्वारा अवगत कराया गया हैं कि नियमित पेयजल आपूर्ति हेतु तहसीलदार देलदर क्षेत्र में फिल्ड विजिट कर समाधान किया गया है।।
शिवगंज– उपखण्ड क्षेत्र शिवगंज में पेयजल आपूर्ति सुचारू रूप से की जा रही है।

		तहसीलदार सिरोही:– पेयजल की व्यवस्था पटवारियों एवं सचिवों को गर्मी एवं पेयजल संकट से प्रभावित क्षेत्रों की रिपोर्ट तैयार करने हेतु निर्देशित किया गया। जलदाय विभाग से समन्वय कर विशेष पेयजान टैंकर की व्यवस्था हेतु सूचित किया गया है। **तहसीलदार पिण्डवाडा–** संबंधित विभाग के अधिकारियों को नियमित पेयजल आपूर्ति की व्यवस्था, आवश्यकता अनुसार नए जल स्त्रोतों की स्थापना सुनिश्चित एवं ग्राम पंचायतो को आवश्यक निर्देश जारी किए गए है। **तहसीलदार शिवगंज–** उपखण्ड क्षेत्र शिवगंज में सीएचसी ६ पीएचसी स्तर पर सुविधा की जा चुकी है। बिजली व्यवस्था की मोनिटरिंग की जा रही है। **तहसीलदार देलदर–** नियमित पेयजल आपूर्ति हेतु तहसील देलदर क्षेत्र आबूरोड मे फील्ड विजिट कर समाधान किया गया। **तहसीलदार ,रेवदर–** तहसील क्षेत्र रेवदर में नियमित रूप से पेयजल आपूर्ति की वयवस्था, आवश्यकतानुसार नए जल स्त्रोतो की स्थापना सुनिश्चित की जा रही है। **तहसीलदार आबूरोड–** नियमित पेयजल आपूर्ति हेतु तहसील आबूरोड क्षेत्र आबूरोड मे फील्ड विजिट कर समाधान किया गया।
		सिरोही–विद्युत संबंधी समस्याओं पर फील्ड विजिट कर बिजली सप्लाई नियमित करने हेतु कहा गया एवं बिजली की मांग बढने पर आवश्यक जनरेटर, आदि की व्यवस्था करने संबंधी निर्देश दिए गए। **रेवदर–** सभी डिस्कॉम के अधिकारियों को निर्देशित किया गया की समय पर समस्या का समाधान किया जावें एवं समय–समय पर निरीक्षण भी किया जा रहा है। **पिण्डवाडा–** सहायक अभियंता विद्युत विभाग द्वारा दिनांक 22.04.2025 को लाईन के रख–रखाव का कार्य किया गया है तथा भविष्य में कोई रख रखाव का कार्य होगा तो सुबह के समय 6 से 9 के मध्य ही किया जायेगा। **आबूरोड/आबूपर्वत–** विधुत संबंधी समस्याओं पर फिल्ड विजिट कर बिजली सप्लाई नियमित करने हेतु कहा गया एवं बिजली की मांग बढने पर आवश्यक जनरेट आदि की व्यवस्था करने संबंधी निर्देश दिये गये। **शिवगंज–** पालना की जा रही है। **तहसीलदार सिरोही:–** मेडिकल अधिकारियों से समन्वय कर ओआरएस ग्लूकोज एवं प्राथमिक उपचार सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। **तहसीलदार पिण्डवाडा–** तहसीलदार द्वारा लगातार फील्ड तु विजिट कर नियमित बिजली आपूर्ति एवं समस्या के समाधान हेतु बिजली विभाग के अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित कर समस्या के समाधान हेतु प्रयास किए जा रहे है। **तहसीलदार शिवगंज–** उपखण्ड क्षेत्र शिवगंज में सीएचसी / पीएचसी स्तर पर सुविधा की जा चुकी है। बिजली व्यवस्था की मोनिटरिंग की जा रही है। **तहसीलदार देलदर–** विद्युत संबंधी समस्याओ पर फील्ड विजिट कर बिजली सप्लाई नियमित करने हेतु कहा गया एवं बिजली की मांग बढने पर आवश्यक जनरेटर आदि की व्यवस्था करने संबंधी निर्देश दिये गये। **तहसीलदार ,रेवदर–**विधुत मांग बढने के कारण लगातार फिल्ड विजिट कर नियमित बिजली आपूर्ति एवं समस्या के समाधान हेतु प्रयास किये जा रहे है । **तहसीलदार आबूरोड–** विद्युत संबंधी समस्याओ पर फील्ड विजिट कर बिजली सप्लाई नियमित करने हेतु कहा गया एवं बिजली की मांग बढने पर आवश्यक जनरेटर आदि की व्यवस्था करने संबंधी निर्देश दिये गये।
		सिरोही–प्रत्येक पंचायत स्तर पर पेयजल को व्यवस्था की गई एवं आमजन में लगातार प्रचार–प्रसार किया जा रहा है। **रेवदर–** पीएचडी विमाग के सहायक अभियंता को निर्देशित किया गया जलापूर्ति एवं समय समय पर निरीक्षण किया जा रहा है। सभी जगह भामाशाहों को प्रेरित कर आवश्यक व्यवस्था की जा रही है। **पिण्डवाडा–** ग्रामीण/शहरी विकास विभाग द्वारा शहरों व गांवों में सार्वजनिक स्थलों पर पेयजल व्यवस्था, छाया, पक्षियों के लिये पानी, पशुओं के लिये पशु खेली, जलकुंड की स्थापना व हीटवेव से बचाव हेतु किये जाने वाले उपायों का प्रचार प्रसार किया जा रहा है **आबूरोड/आबूपर्वत**–प्रत्येक पंचायत स्तर पर पेयजल की व्यवस्था की गई एवं आमजन में लगातार प्रचार प्रसार किया जा रहा है। **शिवगंज–** उपखण्ड क्षेत्र शिवगंज में सार्वजनिक स्थलो पर पेयजल व्यवस्था, छाया, पक्षियो के लिये पानी, पशुओ के लिये पशु खेली, जलकुड के सबंध में उपायो का प्रचार प्रसार किया जा चुका है। **तहसीलदार सिरोही:–** सार्वजनिक स्थलों पर छाया, पानी एवं प्राथमिक उपचार की व्यवस्था करने हेतु ग्राम सचियों को निर्देशित किया गया है। **तहसीलदार पिण्डवाडा–** विकास अधिकारी को इस संबंध में आवश्यक निर्देश जारी कर सार्वजनिक स्थलों पर पेयजल व्यवस्था, छाया, पक्षियों के लिए पशु खेली, जलकुंड की स्थापना व हिटवेव से बचाव हेतु किये जाने वाले उपायों का प्रचार प्रसार हेतु अपने सभी अधीनस्थ अधिकारियों कर्मचारीयों/को पाबन्द कर आवश्यक व्यवस्था करने हेतु पाबन्द किया गया है। **तहसीलदार शिवगंज–** उपखण्ड क्षेत्र शिवगंज में पेयजल आपूर्ति सुचारू रूप से की जा रही है।

		तहसीलदार देलदर– प्रत्येक पंचायत स्तर पर पेयजल की व्यवस्था की गई एवं आमजन में लगातार प्रचार प्रसार किया जा रहा है। **तहसीलदार ,रेवदर**– सार्वजनिक स्थलो पर पेयजल व्यवस्था/छाया, पक्षियो के लिए पानी, पशुओ के पशुखेली जलकुण्ड की स्थपना व हीटवेव से बचाव हेतु किए जाने वाले उपायों का प्रसार–प्रचार किया जा रहा है **तहसीलदार आबूरोड**:– प्रत्येक पंचायत स्तर पर पेयजल की व्यवस्था की गई एवं आमजन में लगातार प्रचार प्रसार किया जा रहा है।
		सिरोही– हीटवेव संबंधी आवश्यक प्रचार प्रसार किया जा रहा है। **रेवदर**– सभी बस स्टेशनों पर आवश्यक रूप् से पीएचडी विभाग द्वारा टंकियों व कैंपरों द्वारा पानी की व्यवस्था की जा रही है। **पिण्डवाडा**–सार्वजनिक स्थलों यथा बस स्टेण्ड/रेल्वे स्टेशन/होस्पिटल पर वाटर केम्पर/मटके रखवा दिये गये है। **आबूरोड/आबूपर्वत**–हीटवेव संबंधी आवश्यक प्रचार–प्रसार किया जा रहा है। **शिवगंज**– पालना की जा चुकी है। **तहसीलदार सिरोही**:– सार्वजनिक स्थलों पर छाया, पानी एवं प्राथमिक उपचार की व्यवस्था करने हेतु ग्राम सचियों को निर्देशित किया गया है। **तहसीलदार पिण्डवाडा**– तहसीलदार द्वारा इस संबंध में लगातार फील्ड विजिट कर हिटवेव एडवाईजरी का प्रसार किया जा रहा है। **तहसीलदार शिवगज**– पालना की जा रही है। **तहसीलदार देलदर**– हीटवेव संबंधी आवश्यक प्रचार प्रसार किया जा रहा है। **तहसीलदार ,रेवदर**– सभी बस स्टेशनो पर पानी, छाया व्यवस्था एवं हीटवेव एडवाईजरी का प्रसार किया जा रहा हैं। **तहसीलदार आबूरोड**:– हीटवेव संबंधी आवश्यक प्रचार प्रसार किया जा रहा है।
		सिरोही–गौशाला का निरीक्षण कर आवश्यक व्यवस्था छाया, पानी आदि सुनिश्चित की गई। **रेवदर**– सभी गौशालाओं में पानी/चारा/छाया हेतु आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित है। व समय समय पर निरीक्षण किया जाकर आवश्यक निर्देशित दिये जा रहे है। **पिण्डवाडा**– गोशालाओं में पशुओं हेतु पिने के पानी की समुचित व्यवस्था व पक्षियों के लिए परिडें लगवा दिये गये है। **आबूरोड/आबूपर्वत**– गौशाला का निरीक्षण कर आवश्यक व्यवस्था छाया, पानी आदि सुनिश्चित की गई। उपखण्ड अधिकारी आबूपर्वत द्वारा अवगत कराया गया हैं कि अधिनस्थ अधिकारियों को गौशाला का निरीक्षण कर आवश्यक व्यवस्था छाया पानी आदि सुनिश्चित करने के निर्देश दिये गये। **शिवगंज**– पालना की जा चुकी है। **तहसीलदार सिरोही**:– पशुधन को लू से बचाव हेतु पशु चिकित्सकों को निर्देशित किया गया है। **तहसीलदार पिण्डवाडा**– तहसीलदार द्वारा इस संबंध में लगातार फील्ड विजिट कर गौशालाओं में निरिक्षण कर पशुओं हेतु चारा/छाया / पानी/दवाईयां की आवश्यक व्यवस्था एवं समाजसेवीयों से संपर्क कर आवश्यक जगह पक्षियों हेतु परिंडे लागाये जा रहे है। **तहसीलदार शिवगज**– पालना की जा रही है। **तहसीलदार देलदर**– गौशाला का निरीक्षण कर आवश्यक व्यवस्था छाया, पानी आदि सुनिश्चित की गई। **तहसीलदार ,रेवदर**– गौशालाओ का निरीक्षण कर गौशाला संचालको को चारा/छाया/ दवाईयो की व्यवस्था करना एवं पक्षियो हेतु परिंडे लगाए जाने की व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु पाबंद किया किया। **तहसीलदार आबूरोड**– गौशाला का निरीक्षण कर आवश्यक व्यवस्था छाया, पानी आदि सुनिश्चित की गई।
05	अधीक्षण अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, सिरोही	हीटवेव के चलते सा.नि.वि. के अधीन वर्तमान में प्रगति कार्यो की साईटो पर छाया, शीतल जल व अन्य पेय पदार्थ एवं दवाईयों की व्यवस्था संवेदकों के स्तर पर की जा रही है। विभाग द्वारा कार्यस्थल पर उपरोक्त व्यवस्था सुनिश्चित किये जाने हेतु फिल्ड स्टाफ एवं 22 संवेदक को पाबंद कर दिया गया है।
06	अधीक्षण अभियन्ता, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, सिरोही	गर्मी की मौसम में सभी जल स्त्रोत नलकूप एवं हैण्डपम्प से पेयजल सप्लाई सुचारू रूप से हो रही हैं व बन्द होने की शिकायत पर तुरन्त रिपेयर्स कर चालू करवाया जा रहा है।
		जल भंडारण और पशुओं के पीने के लिए गावों एवं ढाणियों में भूतल जलाश्य एवं अवाडा में पानी सप्लाई की जा रही है।
		विभाग द्वारा सभी कार्यालय एवं पम्प हाउस में पक्षियों के लिये पेडो पर पानी के परिण्डे लटकाये गये है।
		सभी निर्माणाधीन कार्यो पर काम करने वाले श्रमिकों/कर्मचारियों की संवेदकों को संवेदकों द्वारा पानी एवं छाया के लिये पांबद किया गया है तथा श्रमिकों को मेडिकल की व्यवस्था भी कार्यस्थल में रखने के निर्देश दिये गये हैं।
		श्रमिकों हेतु सभी निर्माणाधीन कार्यो पर संवेदकों एवं ब्लॉक स्तर पर ओ.आर.एस. एवं शुद्व पेयजल की व्यवस्था की गई है।
		हैण्डपम्पों के लिये खण्ड स्तर पर मोनिटरिंग कर मरम्मत किये जा रहे है।

		शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में शुद्ध पेयजल व्यवस्था की जा रही है। किसी गांव /शहर में पेयजल समस्याग्रस्त क्षेत्र में टैंकरों से व्यवस्था के निर्देश खण्ड कार्यालय को दिये गये है। नये नलकूप एवं हैण्डपम्प के कार्य भी स्वीकृत करवाये गये हैं, जिन्हें 15 मई तक पूर्ण कर लिये जायेगें।
		विभाग द्वारा सभी कुंओं एवं बोरवेल से पानी की सप्लाई करने हेतु खण्ड एवं ब्लॉक स्तर पर निर्देश दिये गये है।
07	अधीक्षण अभियन्ता, जोधपुर विधुत वितरण निगम लि० सिरोही	पेयजल व्यवस्था के लिए सभी सहायक अभियन्ताओं को विद्युत आपूर्ति व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दे दिये गये है जिससे पेयजल व्यवस्था बाधित न हो।
		सभी सहायक अभियन्ताओं को निर्देश दिये है कि निर्माणाधीन कार्यों पर काम करने वाले श्रमिकों /स्टॉफ को गर्मी के मौसम में किसी भी प्रकार की समस्या न हो, इसका विशेष ध्यान रखा जावे।
		श्रमिकों एंव कार्यरत स्टॉफ हेतु पानी एवं दवाईया उपलब्ध करवाने के भी निर्देश दे दिये गये है।
08	मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, सिरोही	सभी चिकित्सा संस्थानों पर एक्शन प्लान के तहत हीट वेव से मरीज को बचाने के लिए समस्त व्यवस्था सुनिश्चित कर दी गई है।
		सभी चिकित्सा संस्थानों पर पानी, बिजली, कूलर, पंखे/एसी आवश्यकतानुसार उपलब्ध है तथा जिला अस्पताल में 20, सामुदायिक स्वा. केन्द्र में 10 एवं प्रत्येक प्रा.स्वा.केन्द्र पर 2-2 बेड आरक्षित रखे गये है।
		पृथक आरक्षित किये गये वार्ड में उपरोक्त व्यवस्था उपलब्ध है।
		इन्वर्टर/जनरेटर की व्यवस्था उपलब्ध है।
		समस्त चिकित्सा संस्थानों पर पर्याप्त मात्रा में दवाईया उपलब्ध है।
09	मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी, सिरोही	जिले के समस्त राजकीय एवं गैर राजकीय विद्यालयों में पीने के पानी की पर्याप्त व्यवस्था हेतु समस्त सीबीईयों/पीईबीओं को निर्देश प्रदान किये गये है।
		समस्त सीबीईओं/पीईईओं को अपने-अपने क्षैत्राधिकार के नजदीक चिकित्सालय से परस्पर समन्वय स्थापित कर आवश्यक दवाईयों, मेडिकल किट, प्राप्त करने हेतु निर्देश प्रदान किये गये।
		विद्यालयों में छात्रों को धुप में नही बिठाने एवं छात्रों को छाया में बैठने की व्यवस्था हेतु समस्त सीबीईओं/पीईईओं को निर्देशित किया गया।
		जिले में अत्यधिक हीटवेव होने पर समस्त सीबीईओं/पीईईओं को निर्देशित किया गया हैं कि स्कूल के समय परिवर्तित संबंधी अनुमति हेतु सीबीओंके माध्यम से जिला कलक्टर, सिरोही को प्रेषित करने हेतु निर्देशित किया गया।
10	संयुक्त निदेशक, पशुपालन विभाग, सिरोही	इस कार्यालय के पत्रांक 5830 दिनांक 08.04. 2025 के द्वारा समस्त गौशालाओं को पशुओं को ग्रीष्म ऋतु में जल आपूर्ति एवं हीट-वेव से बचाव हेतु गोपालन विभाग द्वारा प्राप्त दिशा निर्देश (एडवाईजरी) की बिन्दु वार पालना करने हेतु निर्देशित किया गया है।
		समस्त संस्था प्रभारियों को विभाग द्वारा जारी की गई दिशा निर्देश (एडवाईजरी) की पालना करने हेतु निर्देशित किया गया है।
		समस्त संस्था प्रभारियों को विभाग द्वारा जारी की गई दिशा निर्देश (एडवाईजरी) की पालना करने हेतु निर्देशित किया गया है।
		प्रेस नोट जारी कर दिया गया है।
		गौशाला में पानी की पर्याप्त सुविधा (स्वयं का ट्युबवेल) की व्यवस्था है।
		आपातकालीन बजट से आवश्यक औषधियां कय करने की मांग निदेशालय भिजवा दी गई है।
		पशुओं को ग्रीष्म ऋतु में जल आपूर्ति एवं हीट-वेव से बचाव हेतु आवश्यक औषधियों की आपूर्ति समस्त संस्थाओं को करवा दी गई है।
11	कृषि विभाग	विभाग द्वार परिसर में परिंडे लगवाये जा रहे है।
		किसानों के लिये कार्यालय में अतिरिक्त पानी के केम्पर की व्यवस्था सुनिश्चित कर ली गई है।
		फिल्ड कार्मिकों को पौधें लगाने हेतु निर्देश दिये गये एवं फिल्ड भ्रमण के दौरान सिर पर कपडा रखने की सलाह दी गई है।
		फिल्ड कार्मिकों द्वारा इस हेतु किसानों को सुझाव दिये जा रहे है।
		इस हेतु फिल्ड कार्मिको द्वारा किसानों को सुझाव दिये जा रहे है।
		इस हेतु फिल्ड कार्मिको द्वारा किसानों को सुझाव दिये जा रहे है।
		आवश्यक दवाईया एवं मेडिकल किट की व्यवस्था सुनिश्चित कर ली गई है।

12	श्रम विभाग	जिले में आद्योगिक/अन्य संस्थानों/निर्माण कार्यस्थलों पर कार्यरत श्रमिको को बिमारी, लू–तापघात से बचाव का कारगर प्रबन्ध करवाये जाने के लिये नियोजक को पाबंद करने हेतु निर्देश दिये गये तथा स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने एवं किसी हालत में पानी की गुणवत्ता से समझोता नही किये जाने हेतु पाबंद किया गया। माह मई–जून में दोपहर 12.00 बजें से 3.00 बजें तक लू–ताप का प्रभाव सर्वाधिक होने से श्रमिकों के कार्य समय को पुनः निर्धारित कर लू–ताप से बचाव हेतु निर्देशित किया गया।
		इस सम्बन्ध में कार्यालय श्रम कल्याण अधिकारी सिरोही द्वारा दिनांक 15.04.2025 को प्रेस विज्ञप्ति जारी की गई। इस प्रेस विज्ञप्ति के आधार पर समाचार पत्रों में हीटवेव के बारे में खबर का प्रकाशन दिनांक 16.04.2025 को हुआ।
		स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने एवं किसी हालत में पानी की गुणवत्ता से समझोता नही किये जाने हेतु पाबंद किया गया तथा केन्टिन, रेस्टरुम, पीने का पानी, लेट्रीन, यूरिनल एवं प्राथमिक चिकित्सा की सुविधाऐं नियोजक एवं ठेकेदारों द्वारा उपलब्ध कराये जाने हेतु पांबद किया गया। गर्मी के समय में मौके पर आवश्यक दवाईयों एवं आवश्यकता पडने पर तुरन्त उपलब्ध होने वाले नर्स एवं कम्पाउण्डर की व्यवस्था हेतु चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग से समन्वय कर श्रमिकों का हेल्थ चेक–अप करवाये जाने हेतु निर्देश दिये गये।
13	निरीक्षक, कारखाना एण्ड बोयलर्स सिरोही	ग्रीष्म ऋतु के दौरान ऐसे श्रमिक, जो सीधे सूरज की तेज धुप में काम करते हैं, उनके लिये छाया की व्यवस्था कर दी गई है।
		कार्य स्थलों में समुचित स्थानों पर पीने के पानी की पर्याप्त सुविधा उपलब्ध करा दी गई है।
		ग्रीष्म ऋतु के दौरान बचाव हेतु श्रमिकों के लिये आपातकालीन आइस–पैक और गर्मी की रोकथाम सामग्री उपलब्ध करा दी गई है।
		ग्रीष्म ऋतु के दौरान श्रमिकों के स्वास्थ्य की जांच सुनिश्चित करा दी गई है।
		कार्य स्थल पर पर्याप्त वेंटिलेशन की सुविधा उपलब्ध करा दी गई है।
		श्रमिकों को अत्यधिक गर्मी एवं आर्द्रता से होने वाले खतरों और उपचारात्मक उपायों से अवगत कराना सुनिश्चित करा दिया गया है।
14	आयुक्त/अधिशाषी अधिकारी,नगर पालिका पालिका	**शिवगंज:–** जिला प्रशासन/जन स्वास्थय अभियांत्रिकी विभाग से समन्वय स्थापित कर गर्मियों के मौसम में ताप घात (हीट वेव) से आगजन एवं पशु पक्षियों के बचाव हेतु पेयजल व्यवस्था को सुचारू रखने हेतु आमजन की सहायता हेतु पालिका कार्यालय में नियंत्रण कक्ष स्थापित कर दिया गया है जिसके दूरभाष नंबर का प्रकाशन कर दिया गया है साथ ही दूरभाष पर प्राप्त होने वाली सूचना को रजिस्टर में इन्द्राज कर सूचना को निस्तारण हेतु संबधित को सूचना प्रेषित की जाती है। **नगर परिषद सिरोही–** आमजन एवं पशु पक्षियों के तापघात से बचाव हेतु पेयजल व्यवस्था को सूचारु न रखने हेतु नगर परिषद कार्यालय में नियंत्रण न कक्ष स्थापित गया है। जिसका दूरभाष नम्बर 02972–222123 है। **पिण्डवाड़ा–** पालिका द्वारा मौसम में ताप घात (हीट वेव) से आमजन एवं पशु पक्षियो के बचाव हेतु पेयजल व्यवस्था को सुचारू रखने हेतु व्यवस्था कर दी गई एवं आमजन की सहायता हेतु नियन्त्रण कक्ष स्थापित कर दिया गया है। **आबूरोड–** हिट वेव 2025 के मध्यनजर नगरपालिका आबूरोड के कर्मचारियों एवं आमजन हेतु कार्यालय में ठण्डे पेय एवं छाया हेतु टेन्ट की व्यवस्था करवाई जा रही हैं। **आबूपर्वत–** आपदा कक्ष कंट्रोल रूम मोबाइल नम्बर 8306091122
		शिवगंज– नगर पालिका क्षेत्र में आम चौराहो व मुख्य बाजार में आगजन के पेयजल हेतु भामाशाह द्वारा पानी के केम्पर/मटको की व्यवस्था वर्तमान में सूचारू है। **नगर परिषद सिरोही–** नगर परिषद क्षेत्र में चौराहो पर आमजन के . लिये पेयजल हेतु पानी कैम्पर/मटको की व्यवस्था की गयी है। **पिण्डवाड़ा–** पालिका द्वारा पालिका क्षेत्र में चौराहो पर आमजन के लिये पेयजल हेतु पानी कैम्पर/ मटको की व्यवस्था कर दी गयी हैं। **आबूरोड–** हिट वेव 2025 के मध्यनजर नगरपालिका आबूरोड द्वारा बस स्टेण्ड, रेल्वे स्टेशन एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, आकराभट्टा, आबूरोड परिसर में यात्रियों एवं आमजन हेतु पेय जल (छाछ, पानी व ज्यूस) एवं छाया हेतु टेन्ट की व्यवस्था हेतु संवेदक को कार्यादेश जारी किया जा चुका हैं। **आबूपर्वत–** कार्यालय द्वारा पालिका क्षेत्र मे विभिन्न स्थानो पर प्याऊ व वॉटर एटीएम लगवाये गये हैं।
		शिवगंज– नगर पालिका द्वारा नरेगा कार्मिको के बैठने हेतु राहत स्थल पूर्व में स्थापित है साथ ही पेयजल हेतु पानी के केम्पर की व्यवस्था पालिका द्वारा कर दी गई है। **नगर परिषद सिरोही–** नगर परिषद द्वारा आमजन को लू तापघात से बचाव हेतु बस स्टेण्ड पर टेण्ट लगाकर लोगों के बैठने हेतु कुलर, कुर्सीया लगाई गयी है। और पेयजल हेतु कैम्पर की व्यवस्था की गयी है। **पिण्डवाड़ा–** पालिका द्वारा टेन्ट लगा दिया गया है एवं भामाशाह द्वारा पेयजल की व्यवस्था की गयी हैं साथ ही बैठने की समुचित व्यवस्था कर दी गयी हैं।

		आबूरोड– हिट वेव 2025 के मध्यनजर रखते हुए मुख्यमंत्री शहरी रोजगार गारण्टी योजना के अन्तर्गत लगे श्रमिकों को छाया मे ही कार्य करवाया जा रहा हैं। **आबूपर्वत–** वर्तमान में गेस्ट हाउस में रेनबसेरा सचालित है।
		शिवगंजः– नगर पालिका क्षेत्र में भामाशाहो व पालिका के सहयोग से पालिका स्तर पर उद्यानो एवं उपर्युक्त स्थानो पर आवश्यकतानुसार पक्षियो के पानी पीने हेतु परिण्डे लगाया जाना प्रस्तावित है जो शीघ्र ही लगवा दिये जायेगें। **नगर परिषद सिरोही–** नगर परिषद सिरोही स्तर पर उद्यानों एवं उपयुक्त स्थानों पर आवश्यकता अनुसार पक्षीयों के पानी पीने हेतु परिण्डे लगाये गये है। **पिण्डवाडा–** पालिका द्वारा अपने स्तर एवं भामाशाहो के सहयोग से उद्यानो एवं उपयुक्त स्थानो पर आवश्यकता अनुसार पक्षीयो के पानी पीने हेतु परिण्डे लगा दिये गये हैं। **आबूरोड–** हिट वेव 2025 के मध्यनजर पशु पक्षियों हेतु शहर में विभिन्न स्थानों एवं उद्यानों में पीने के पानी हेतु परिंडे लगाये जावेगा। **आबूपर्वत–** स्थानीय क्षेत्र में पक्षियों के पानी के लिए आवश्यकता अनुसार परिण्डे लगाये जा रहे है।
		शिवगंजः– नगर पालिका क्षेत्र में पालिका द्वारा गौशालाओ का समय–समय पर निरिक्षण करना व चारे–पानी एवं दवाई की व्यवस्था संबधित कार्य वर्तमान में प्रक्रियाधीन है। **नगर परिषद सिरोही–** गौशालाओ का समय–समय पर निरीक्षण किया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान चारे पानी एवं दवाईयों की व्यवस्थाएँ निरन्तर देखी जा रही है। **पिण्डवाडा–** नगर पालिका क्षेत्र में कोई भी गौशाला संचालित नही हैं, आस पास की गौशाला में चारे पानी हेतु समुचित व्यवस्था आवश्यकता होने पर कर दी जायेगी। **आबूरोड–** हिट वेव 2025 के मध्यनजर पशु पक्षियों हेतु शहर में विभिन्न स्थानों एवं उद्यानों में पीने के पानी हेतु परिंडे लगाये जावेगा। **आबूपर्वत–** आवश्यकता अनुसार कार्यवाही कि जा रही है।
		शिवगंजः– नगर पालिका क्षेत्र में लगे हुए पेड–पौधों को प्रतिदिन पालिका द्वारा टैंकरों से पानी की आपूर्ति की जा रही है। **नगर परिषद सिरोही–** परिषद क्षेत्र में लगे हुये पेड–पौधों को प्रतिदिन टैंकरों द्वारा पानी पिलाने की व्यवस्था की गयी है। **पिण्डवाडा–** पौधो को प्रतिदिन टैंकरो द्वारा पानी की आपूर्ति की जाती है। **आबूरोड–** हिट वेव 2025 के मध्यनजर आवश्यकता पडने पर नगरपालिका आबूरोड द्वारा अग्निशमन वाहन एवं जेटिंग मशीन के द्वारा मुख्य बाजार में पानी का छिडकाव किया जावेगा। **आबूपर्वत–** नगरपालिका क्षेत्र लगे पेड पौधे को टेकरो श्द्वारा पानी समय–समय पानी पिलाया जाता है।
		शिवगंजः– पालिका क्षेत्र में स्थित बस स्टेण्ड में छाया पानी की भामाशाहो द्वारा माकुल व्यवस्था की जा रही है। **नगर परिषद सिरोही–** आमजन हेतु छाया पानी के लिये टेण्ट व कैम्परो की व्यवस्था की गयी है। **पिण्डवाडा–** पालिका द्वारा बस स्टेण्ड सिगढ़ी गंड एवं पिण्डवाडा पर छाया पानी की माकुल व्यवस्था कर दी गयी हैं। **आबूरोड–** हिट वेव 2025 के मध्यनजर नगरपालिका आबूरोड द्वारा बस स्टेण्ड, रेल्वे स्टेशन एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, आकराभट्टा, आबूरोड परिसर में यात्रियों एवं आमजन हेतु पेय जल (छाछ, पानी व ज्यूस) एवं छाया हेतु टेन्ट की व्यवस्था हेतु संवेदक को कार्यादेश जारी किया जा चुका हैं। **आबूपर्वत–** बस स्टेण्ड पक्का भवन निर्मित होने से बस स्टेण्ड पर यात्रियो के लिए छाया कि व्यवस्था बनी रहती है।
		शिवगंजः– नगर पालिका क्षेत्र भीषण गर्मी मे को मध्यनजर रखते हुए पालिका द्वारा पानी टैंकरो व अन्य मशीनरी द्वारा शहर की मुख्य सडको पर पानी का छिडकाव समय–समय पर किया जाता है। **नगर परिषद सिरोही–** पानी टैंकरो व अन्य मशीनरी द्वारा शहर की मुख्य सडकों पर पानी का नियमित छिडकाव करने की व्यवस्था की गयी है। **पिण्डवाडा–** पालिका द्वारा नगर पालिका क्षेत्र में भीषण गर्मी को देखते हुये पानी टेंकरों द्वारा मुख्य राडको पर पानी का छिडकाव किया जा रहा है। **आबूरोड–** हिट वेव 2025 के मध्यनजर आवश्यकता पडने पर नगरपालिका आबूरोड द्वारा अग्निशमन वाहन एवं जेटिंग मशीन के द्वारा मुख्य बाजार में पानी का छिडकाव किया जावेगा। **आबूपर्वत–** आयुपर्वत क्षेत्र पर पर्यटन क्षेत्र में गर्मी कम रहने के कारण टेकरों कि आवश्कता कम रहती है।
		शिवगंजः– नगर पालिका द्वारा कार्यरत श्रमिको, सफाई कार्मिको एवं रैन बसेरो में ओ.आर.एस. एवं फर्स्ट एड किट वितरण हेतु उक्त सागग्री क्रय की जा रही है। **नगर परिषद सिरोही–** मुख्यमंत्री शहरी रोजगार योना के तहत कार्य कर रहे श्रमिको एवं परिषद सफाई कार्मिको एवं रैन बसेरों में ठहरे लोगो हेतु ओ.आर.एस. एवं फर्स्ट एड किट की व्यवस्था की गयी है। **पिण्डवाडा–** पालिका द्वारा कार्यरत श्रमिकों, परिषद सफाई कार्मिको एवं रैन बसेरो में ओआर. एस. एवं फर्स्ट एंड किट उपलब्ध करवा दिया गया हैं। **आबूरोड–** हिट वेव 2025 के मध्यनजर रखते हुए मुख्यमंत्री शहरी रोजगार गारण्टी योजना के अन्तर्गत लगे श्रमिकों हेतु पेय जल एवं मेडिकल किट उपलब्ध करवाया जाता हैं। **आबूपर्वत–** आयुपर्वत क्षेत्र पर पर्यटन क्षेत्र में गर्मी कम रहने के कारण टेकरों कि आवश्कता कम रहती

		है।
		शिवगंज:— नगर पालिका द्वारा पालिका क्षेत्र में रैन बसेरा की व्यवस्था पूर्व में कर दी गयी है जो वर्तमान में 24x7 संचालित है। **नगर परिषद सिरोही**— नगर परिषद द्वारा रेन बसेरों में पानी कैम्पर व फर्स्ट एड बॉक्स एवं ओ.आर.एस. की व्यवस्था की गयी है। **पिण्डवाड़ा**— पालिका द्वारा संचालित रैन बसेरा में पखे, कुलर एवं पेयजल एवं ठहरने की समुचित व्यवस्था की गई हैं। **आबूरोड**— हिट वेव 2025 के मध्यनजर नगरपालिका आबूरोड के कर्मचारियों एवं आमजन हेतु कार्यालय में ठण्डे पेय एवं छाया हेतु टेन्ट की व्यवस्था करवाई जा रही हैं। **आबूपर्वत**— आयुपर्वत क्षेत्र पर पर्यटन क्षेत्र में गर्मी कम रहने के कारण टेकरों कि आवश्कता कम रहती है।
15	उप निदेशक, महिला एवं बाल विकास विभाग, सिरोही	उप निदेशक, महिला एवं बाल विकास विभाग सिरोही के पत्रांकः राजकाज नम्बर 14872637 दिनांक 22.04.2025 अनुसार उनके कार्यालय के पत्रांकः 14871466 द्वारा अधीनस्थ कार्यालयों के बाल विकास परियोजना अधिकारियों को निर्देशित कर वर्तमान में चल रही हीटवेव के बचाव एवं रोकथाम हेतु जिले में संचालित आंगनवाडी केन्दों पर ठण्डे पेयजल, ओ.आर.एस. की व्यवस्था करने के साथ ही पक्षियों हेतु परिन्डे एवं चुग्गा पात्र लगाने की व्यवस्था सुनिश्चित की गई।
16	संयुक्त निदेशक, समाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, सिरोही	कूलरो की व्यवस्था की गई है।
		पेयजल की व्यवस्था की गई है। जिनका उपयोग आगन्तुकों एवं विभागीय कार्मिकों के लिये पर्याप्त है एव हीट वेव से बचाव लिये जारी दिशा निर्देशों की पालना की जा रही है।
		सभी अधिनस्थ कार्यालय/ छात्रावासों में परिंडे लगाकर पानी भरा जा रहा है।
		कार्यालय के आगे हैण्ड पम्प की सुविधा है जिसके आगे छोटा आवाडा बना हुआ है जिसे पानी से भरा जा रहा है।
		पूर्व की भाती इस वर्ष भी वृक्षारोपण करवाया जायेगा।
		कार्यालय में हीटवेव तथा सभी व्यवस्था सुनिश्चित की गई है।
		छात्रावासों में छात्र/छात्राओं को हीटवेव से बचने की व्यवस्था है एवं बिजली/पानी की व्यवस्था है। दवाईया पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है।
17	रसद विभाग	जिले के समाज सेवी एवं समाज सेवी संस्थान आदि से सम्पर्क किया गया उनके द्वारा Heat Wave की स्थिति होने पर सार्वजनिक स्थल पर पानी के केम्पर रखवाने एवं छाछ वितरण Kiosks लगाने का आश्वासन प्रदान किया गया है। Heat Wave की स्थिति होने पर नियमानुसार उक्तानुसार कार्यवाही की जायेगी।
18	जल संसाधन खण्ड सिरोही	समस्त कार्यरत श्रमिकों/कर्मचारियों एवं संवेदकों के लिये कार्य स्थल पर छाया शीतल जल व अन्य पेय पदार्थ पर्याप्त मात्रा में रखवा दिये गये है।
19	जिला सूचना एवं जन सम्पर्क अधिकारी, सिरोही	कार्यालय द्वारा जिले के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से प्रेस विज्ञपति जारी की गई एवं की जा रही है साथ ही मौसम विभाग की सूचनाओं को भी मिडिया में प्रसारित नियमित रूप से किया जा रहा है।

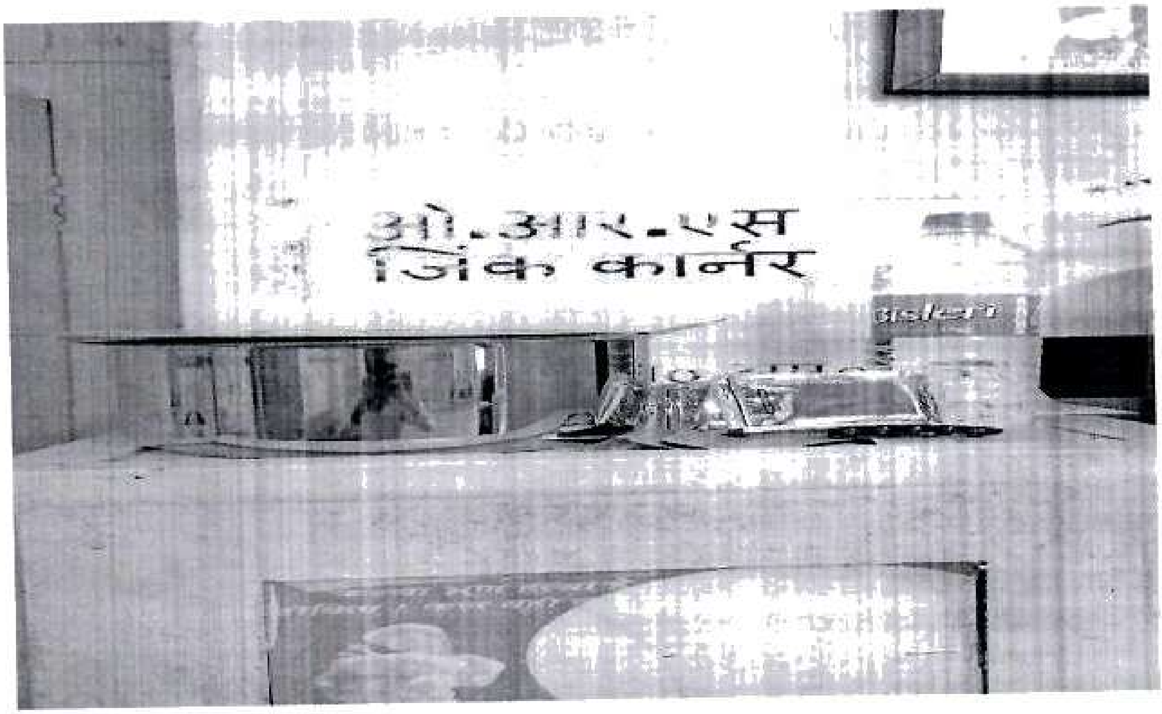
ओ.आर.एस
जिंक कार्नर

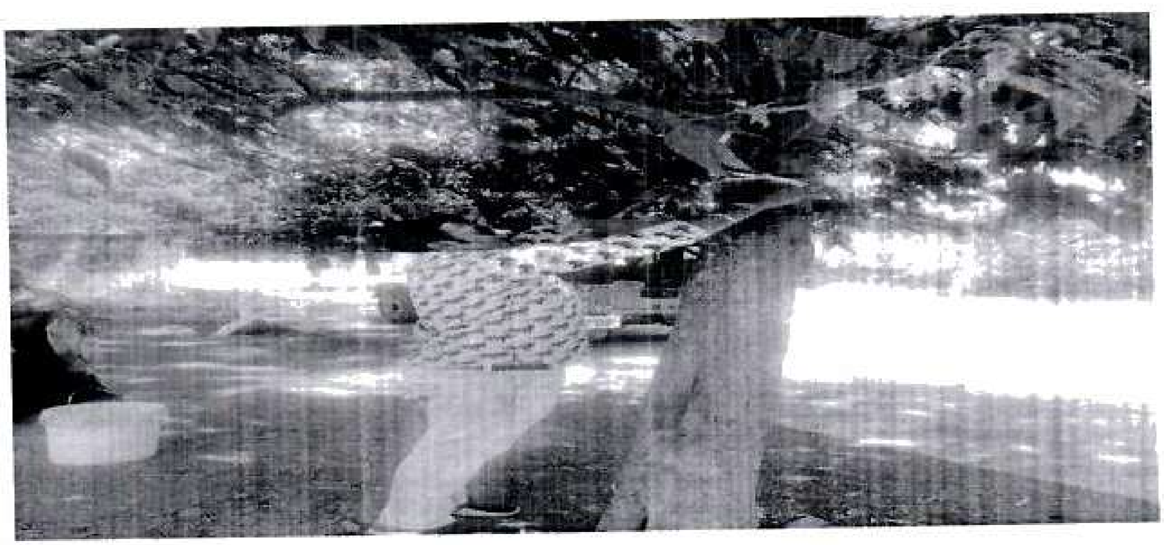

लू ताप घात
कक्ष ।

Galaxy S20 FE 5G

हीटवेव व भीषण गर्मी से राहत के लिए नगर पालिका ने लगवाए परिंडे व मटके

नवज्योति/पिंडवाड़ा। हीटवेव व भीषण गर्मी के चलते नगर पालिका पिण्डवाड़ा द्वारा शहर के विभिन्न स्थानों पर लोगों के लिए पीने के लिए ठंडे पानी के मटके व पक्षियों के लिए परिंडे की व्यवस्था की गई। नगर पालिका पिण्डवाड़ा में अधिशाषी अधिकारी महेन्द्र कुमार राजपुरोहित के आदेशानुसार शहर के विभिन्न जगहों पर पालिका कर्मचारियों द्वारा लोगों के लिए पीने के लिए ठंडे पानी के मटके व पक्षियों के लिए परिंडे लगाकर पानी की व्यवस्था की गई। इस दौरान कनिष्ठ सहायक करण सिंह चारण, स्वास्थ्य निरीक्षक कमलेश भाटी, स्वच्छ भारत मिशन से एमआईएस विक्रम कुमार, कनिष्ठ तकनीकी सहायक धर्मपाल सैनी, शहरी रोजगार सहायक भरत कुमार व आदि उपस्थित थे।

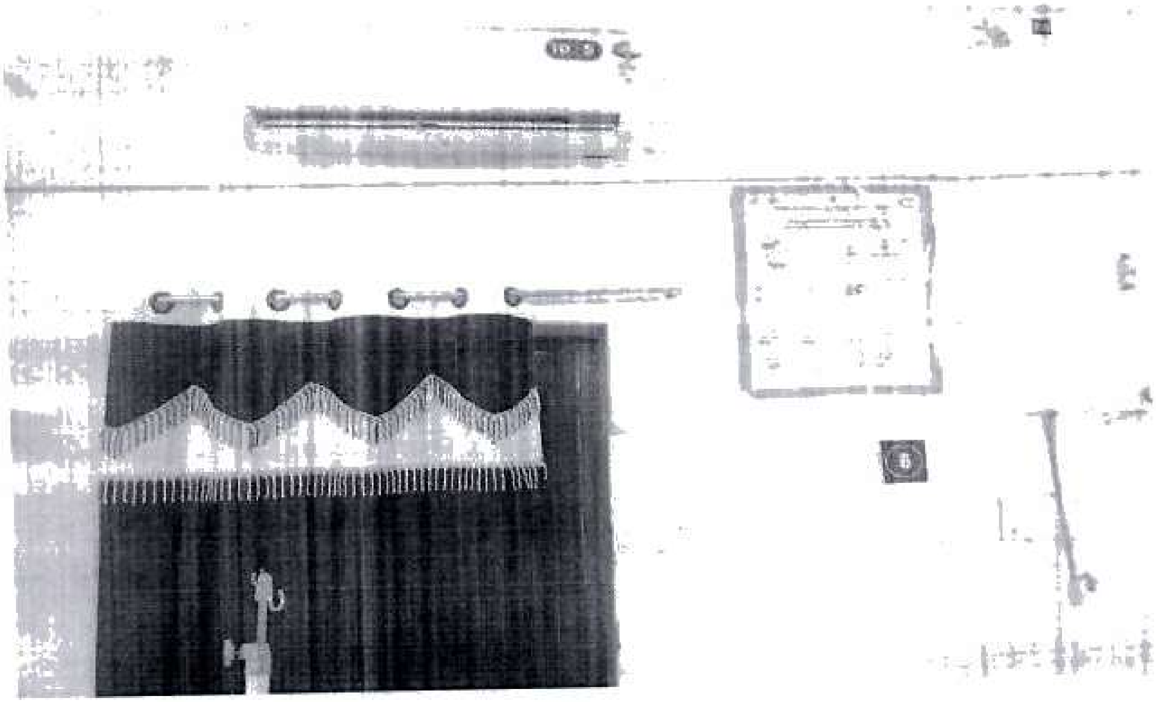

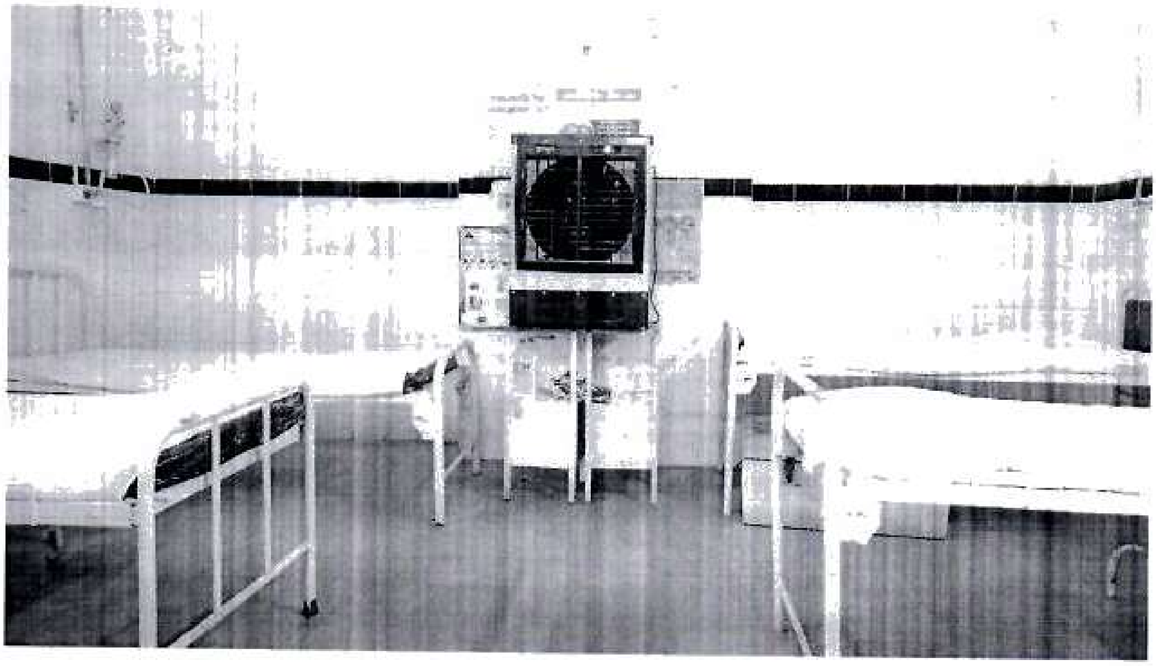

कार्यालय
एवं
पंजीयक जन्म-मृत्यु
PARKING

स्वास्थ्य केंद्रों में आग की आपात स्थिति के दौरान

क्या करें और क्या नहीं करें

1. शांत रहें: घबराहट से स्थिति और खराब हो सकती है। जितना हो सके शांत रहें।
2. दूसरों को सचेत करें: पहले भागकर चिल्लाएँ या अलार्म बजाएँ ताकि परिसर में सभी लोग सचेत हो जाएँ।
3. मदद के लिए कॉल करें: आग की सूचना तुरंत देने के लिए आपातकालीन नंबर (112) डायल करें।
4. अग्निशामक यंत्र का उपयोग करें: यदि प्रशिक्षित हैं और ऐसा करना सुरक्षित है, तो आग को नियंत्रित करने के लिए अग्निशामक यंत्र का उपयोग करें।
5. दरवाजे बंद करें: क्षेत्र से बाहर निकलते समय, धुएँ और आग को फैलने से रोकने के लिए सभी दरवाजे और खिड़कियाँ बंद कर दें।
6. धुएँ से बचने के लिए नीचे रहें: हमेशा धुएँ से बचने के लिए नीचे लेट कर चलें, क्योंकि ताजी हवा जमीन के करीब होती है।
7. नाक और मुँह को ढँकें: सांस के माध्यम से धुएँ को अंदर लेने से बचने के लिए अपने मुँह को ढँकने की कोशिश करें, हो सके तो पानी से गीले रूमाल नाक तथा मुंह को ढक लें।
8. मुख्य सप्लाई बंद करें: स्वास्थ्य केंद्र के परिसर में स्थित ऑक्सीजन प्लांट के वाल्व को बंद करें तथा बिजली की सप्लाई को भी बंद करें।
9. प्रशिक्षित व्यक्ति के द्वारा मरीजों को बाहर निकालने का नेतृत्व करें: निकासी प्रक्रिया के लिए प्रशिक्षित कर्मचारियों को रोगी को सुरक्षित क्षेत्र में निकासी का नेतृत्व करना चाहिए।
10. तुरंत निकासी करें: निकटतम उपलब्ध निकास मार्ग का उपयोग करें।
11. लिफ्ट का उपयोग नहीं करें, सीढ़ियों का उपयोग करें: सीढ़ियों/रैंप का उपयोग करें, आग लगने की स्थिति में लिफ्ट का उपयोग न करें।
12. मदद के लिए चिल्लाएँ: यदि आप कमरे में फंस गए हैं, तो बचाव दल के साथ-साथ अन्य लोगों का ध्यान आकर्षित करने के लिए खिड़की से चिल्लाएँ।

1. अनावश्यक रूप से घबराएँ या चिल्लाएँ नहीं: घबराएँ नहीं, इससे भ्रम हो सकता है और निकासी में देरी हो सकती है। शांत रहें।
2. बिजली या तेल की आग पर पानी का उपयोग न करें: इससे बिजली का झटका लग सकता है या आग फैल सकती है।
3. आग के अलार्म को नजरअंदाज न करें: हर अलार्म को वास्तविक मानें और तुरंत निकासी करें।
4. इमारत में दोबारा प्रवेश न करें: एक बार बाहर निकलने के बाद, बाहर ही रहें। किसी भी कारण से जलती हुई इमारत/कमरे में कभी वापस न जाएँ।
5. आग और धुएँ की जाँच करने के लिए दरवाजे न खोलें: आग और धुएँ की जाँच करने के लिए दरवाजे न खोलें क्योंकि बंद होने पर वे आग और धुएँ के फैलाव को सीमित करते हैं।
6. गर्म दरवाजे न खोलें: अपने हाथ से ही दरवाजे की जाँच करें। अगर वे गर्म हैं, तो उन्हें न खोलें।
7. आग से बाहर निकलने के रास्ते न रोकें: सीढ़ियों, गलियारों और लॉबी में अव्यवस्था न करें क्योंकि वे आपके भागने के रास्ते हैं।
8. निकासी में देरी न करें: आग की आपात स्थिति में हर सेकंड मायने रखता है।
9. अकेले बड़ी आग से लड़ने की कोशिश न करें: अगर आग नियंत्रण से बाहर हो जाए, तो बाहर निकलें और आग बचावदल को इसे संभालने दें।
10. सामान इकट्ठा करने में समय बर्बाद न करें: जीवन, संपत्ति से अधिक महत्वपूर्ण है।

उपखण्ड प्रशासन सिरोही

लू तापघात की स्थिति में

नियोक्ताओं और कर्मचारियों के लिए स्वास्थ्य सलाह

[illegible]

नियोक्ताओं के लिए

- [illegible] कार्यस्थल पर पूरे कार्यदिवस में ठंडे पीने के पानी की पहुँच सुनिश्चित करें। उन्हें हाइड्रेटेड रहने के लिए हर 20 मिनट या उससे अधिक बार एक कप पानी पीने के लिए प्रोत्साहित करें।
- [illegible] पानी व बिजली की लगातार आपूर्ति सुनिश्चित करें।
- [illegible] [illegible] उपलब्ध करें जहाँ कर्मचारी ब्रेक के समय आराम कर सकें। [illegible]
- [illegible] दिन के ठंडे समय यानी सुबह और शाम के घंटों में बदलाव करें।
- [illegible] बाहरी गतिविधियों के लिए विश्राम अवकाश की आवृत्ति और अवधि बढ़ाएँ – [illegible]
- [illegible]
  - कार्यस्थल पर तापमान और पूर्वानुमान प्रदर्शन स्थापित करें।
  - स्थानीय मौसम समाचारों के लिए रेडियो सुनें, टीवी देखें और समाचार पत्र पढ़ें और तदनुसार कार्य करें।
  - भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) की वेबसाइट https://mausam-imd-gov-in/ पर मौसम का नवीनतम अपडेट प्राप्त करें।
- [illegible] गर्मी से संबंधित बीमारियों को पहचानने और प्राथमिक हस्तक्षेप के महत्व पर श्रमिकों को प्रशिक्षित करें और एक मित्र प्रणाली शुरू करें क्योंकि लोगों को अपने लक्षणों को नोटिस करने की संभावना नहीं है।
- [illegible]
  - कर्मचारियों के लिए जागरूकता अभियान आयोजित करें।
  - अत्यधिक गर्मी के स्वास्थ्य प्रभावों और उच्च तापमान के दौरान खुद को बचाने के लिए विधियों के बारे में सूचनात्मक पर्चे वितरित करें।
  - प्रशिक्षित कर्मचारी, गर्मी से संबंधित बीमारी की स्थिति में प्रशिक्षित प्राथमिक चिकित्सा प्रदाता उपलब्ध होने चाहिए।
- [illegible] गर्मी से संबंधित बीमारी की स्थिति में योजना लागू होनी चाहिए।
- [illegible] जहाँ संभव हो, शारीरिक परिश्रम कम करें या ठंडे वातावरण में अधिक बार ब्रेक लें।
- [illegible] सीधे धूप या गर्म वातावरण के संपर्क में आने वाले श्रमिकों के लिए हल्के कपड़ों के विकल्प या वर्दी पर विचार करें।
- [illegible] ओरल रिहाइड्रेशन साल्ट (ओआरएस), ग्लूकोज और प्राथमिक चिकित्सा किट तैयार रखें।

श्रमिकों के लिए

- [illegible] दिन भर खूब पानी पिएँ, भले ही आपको प्यास न लगे।
- [illegible] छायादार या ठंडे क्षेत्रों में अक्सर आराम करें। यदि संभव हो तो लंबे समय तक धूप में रहने से बचें।
- [illegible] गर्मी से संबंधित बीमारी, बहुत ज्यादा पसीना आना, कमजोरी, चक्कर और हीटस्ट्रोक जैसे, भ्रम, गर्म और शुष्क त्वचा के लक्षणों से अवगत रहें। किसी भी लक्षण की तुरंत रिपोर्ट करें।
- [illegible]
  - शरीर को ढक कर रखें।
  - उचित पोशाक पहनें: हल्के कपड़े पहनें, कोशिश करें कि लंबी आस्तीन वाली शर्ट और पैंट, सूती जैसे प्राकृतिक सामग्री से बने हल्के रंग के और ढीले-ढाले कपड़े आपको सीधे धूप के संपर्क में आने से बचाने और आपके शरीर को ठंडा रखने में मदद करते हैं।
  - धूप से बचाव का उपयोग करें: अपने सिर को ढकें – सीधे धूप के संपर्क में आने पर छाता, टोपी, तौलिया और अन्य पारंपरिक सिर को ढकने हेतु उपयोग करें।
  - धूप में बाहर जाते समय जूते या चप्पल पहनें।
- [illegible] गर्भवती कर्मचारी और किसी चिकित्सा स्थिति वाले कर्मचारी या कुछ दवाएँ लेने वाले कर्मचारियों को गर्मी में काम करने के बारे में अपने चिकित्सकों से चर्चा करनी चाहिए।
- [illegible] सहकर्मियों में गर्मी से संबंधित बीमारी के लक्षणों पर नजर रखें और किसी भी चिंता की सूचना पर्यवेक्षकों को दें।

उपखण्ड प्रशासन सिरोही

लू तापघात की स्थिति में आमजन के लिए

क्या करें और क्या नहीं करें

हाइड्रेटेड रहें –

ओरल रिहाइड्रेशन सॉल्यूशन (ओआरएस) का उपयोग करें, और नींबू पानी, छाछ/लस्सी, नमक मिलाए गए फलों के रस जैसे घर के बने पेय पदार्थों का सेवन करें।

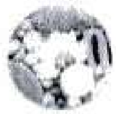

तरबूज, खरबूजा, संतरा, अंगूर, अनानास, खीरा, सलाद या अन्य स्थानीय रूप से उपलब्ध फल जैसे उच्च जल सामग्री वाले मौसमी फल व सब्जियाँ खाएँ।

जब भी संभव हो, पर्याप्त पानी पिएँ, भले ही आपको प्यास न लगी हो। प्यास निर्जलीकरण का अच्छा संकेत नहीं है।

यात्रा करते समय पीने का पानी साथ रखें।

शरीर को ढककर रखें–

* हल्के रंग के पतले ढीले, सूती कपड़े पहनें।
* अपने सिर को ढकें, सीधे धूप में निकलने पर छाता, टोपी, तौलिया और अन्य पारंपरिक सिर को ढकने वाले कपड़ों का उपयोग करें।
* धूप में बाहर जाते समय जूते या चप्पल पहनें।

सतर्क रहें–

स्थानीय मौसम की खबरों के लिए रेडियो सुनें, टीवी देखें और अखबार पढ़ें और उसके अनुसार काम करें।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) की वेबसाइट पर मौसम का ताजा अपडेट की जानकारी लेते रहें। www.mausam.imd.gov.in

जितना संभव हो सके घर के अंदर/छाया में रहें-

- ☐ हवादार और ठंडी जगहों पर रहें।
- ☐ सीधी धूप और गर्म की हवा को रोकें।
- ☐ दिन के दौरान खिड़कियाँ और पर्दे बंद रखें, खास तौर पर अपने घर के धूप वाले हिस्से में। ठंडी हवा अंदर आने के लिए रात में उन्हें खोलें।
- ☐ अगर बाहर जा रहे हैं, तो अपनी बाहरी गतिविधियों को दिन के ठंडे समय यानी सुबह और शाम तक सीमित रखें।
- ☐ दिन के ठंडे हिस्सों के दौरान बाहरी गतिविधियों को फिर से शेड्यूल करें या योजना बनाएँ।

अतिजोखिम आबादी के लिए-

हालाँकि कोई भी व्यक्ति कभी भी गर्मी के तनाव और गर्मी से संबंधित बीमारी से पीड़ित हो सकता है, लेकिन कुछ लोगों को दूसरों की तुलना में ज्यादा जोखिम होता है और उन्हें अतिरिक्त ध्यान दिया जाना चाहिए-

- ☐ शिशु, छोटे बच्चे और गर्भवती महिलाएँ
- ☐ बुजुर्ग (60+ वर्ष के बुजुर्ग), वयस्क
- ☐ मानसिक या शारीरिक रूप से बीमार, खास तौर पर हृदय रोग या उच्च रक्तचाप से पीड़ित।
- ☐ किसान, बाहरी साइट पर काम करने वाले श्रमिक, ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मी, खास तौर पर यातायात नियंत्रण और बाहरी सुरक्षा में, फेरीवाले।
- ☐ ठंडी जलवायु से गर्म जलवायु में आने वाले यात्रियों को अपने शरीर को गर्मी के अनुकूल होने के लिए एक सप्ताह का समय देना चाहिए, अधिक परिश्रम से बचना चाहिए और खूब पानी पीना चाहिए। गर्म वातावरण में धीरे-धीरे संपर्क/शारीरिक गतिविधि में वृद्धि (10-15 दिनों से अधिक) करके अनुकूलन प्राप्त किया जाता है।

अन्य सावधानियां-

- ☐ अकेले रहने वाले बुजुर्ग या बीमार लोगों के स्वास्थ्य की दैनिक आधार पर निगरानी की जानी चाहिए।
- ☐ घर को ठंडा रखें, पर्दे, शटर या सनशेड का उपयोग करें और रात में खिड़कियाँ खोलें।
- ☐ दिन के समय निचली मंजिलों पर रहने की कोशिश करें।
- ☐ शरीर को ठंडा रखने के लिए पंखे, स्प्रे की बोतलें, नम कपड़े, ठंडे तौलिये का इस्तेमाल करें।
- ☐ शरीर से ऊपर 20 डिग्री सेल्सियस के पानी में पैर डुबोने से निर्जलीकरण और ताप संबंधी परेशानी कम होती है और यह तेजी से ठंडक प्रदान करता है।

⊗ क्या नहीं करें

- ☒ नंगे पैर बाहर न निकलें।
- ☒ उच्च प्रोटीन वाले भोजन से बचें और बासी भोजन न खाएं।
- ☒ दोपहर में बाहर निकलने पर ज्यादा मेहनत करने वाली गतिविधियों से बचें।
- ☒ धूप में बाहर निकलने से बचें, खासकर दोपहर 12.00 बजे से 03.00 बजे के बीच।
- ☒ बच्चों या पालतू जानवरों को खड़े किए गए वाहन में न छोड़ें। वाहन के अंदर का तापमान खतरनाक स्थिति में हो सकता है।
- ☒ अत्यधिक गर्मी के दौरान खाना पकाने से बचें। खाना पकाने के क्षेत्र में पर्याप्त रूप से हवादार करने के लिए दरवाजे और खिड़कियाँ खोलें।
- ☒ शराब, चाय, कॉफी और कार्बोनेटेड शीतल पेय या अधिक मात्रा में चीनी वाले पेय से बचें- क्योंकि ये वास्तव में शरीर के अधिक तरल पदार्थ को खो देते हैं या पेट में ऐंठन पैदा कर सकते हैं।

उपखण्ड प्रशासन सिरोही

लू तापघात की स्थिति में

स्कूलों व महाविद्यालयों के लिए स्वास्थ्य सलाह

गर्मियों के दौरान बढ़ते तापमान से गर्मी से संबंधित बीमारियाँ हो सकती हैं, जैसे कि गर्मी से थकावट, ऐंठन और हीट स्ट्रोक। स्कूलों और कॉलेजों को छात्रों और कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए निवारक उपाय करने चाहिए।

स्कूल का समय बदलें

- ☐ स्कूल जल्दी शुरू करें और अत्यधिक गर्मी के घंटों (दोपहर 12 बजे से पहले) में बदलाव करें
- ☐ सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे के बीच बाहरी गतिविधियों (जैसे, खेल, असेंबली) से बचें

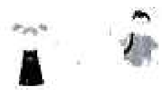

उचित जलयोजन सुनिश्चित करें

जल तथा पेय पदार्थों की व्यवस्था सुनिश्चित करें

- ☐ स्वच्छ और ठंडा पीने का पानी उपलब्ध कराएँ
- ☐ छात्रों को बार-बार पानी पीने के लिए प्रोत्साहित करें
- ☐ मीठे और कैफीन युक्त पेय पदार्थों से बचें

कक्षा के माहौल को अनुकूल बनाए

- ☐ कार्यशील एसी/पंखे/डेजर्ट कूलर और उचित वेंटिलेशन का उपयोग करें।
- ☐ अगर एयर कंडीशनिंग उपलब्ध नहीं है तो क्रॉस-वेंटिलेशन के लिए खिड़कियाँ और दरवाज़े खुले रखें।
- ☐ कक्षाओं में भीड़भाड़ से बचें।

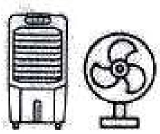

ड्रेस कोड और सुरक्षा

- ☐ हल्के, हल्के रंग के और ढीले-ढाले सूती कपड़े पहनने को प्रोत्साहित करें।
- ☐ छात्रों को धूप में निकलने पर टोपी/कैप पहननी चाहिए और छाता साथ रखना चाहिए।

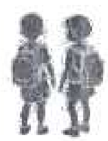

स्वास्थ्य निगरानी व प्राथमिक उपचार

- ☐ शिक्षकों और कर्मचारियों को गर्मी से संबंधित बीमारियों को पहचानने और समय रहते हस्तक्षेप करने के महत्व के बारे में प्रशिक्षित किया जाना चाहिए।
- ओआरएस, ग्लूकोज व प्राथमिक उपचार किट तैयार रखें।
- यदि किसी छात्र में गर्मी से थकावट के लक्षण हों (जैसे, चक्कर आना, मतली, बहुत पसीना आना, सिरदर्द), तो उसे ठंडी जगह पर ले जाएँ, पानी/ ओआरएस दें और जरूरत पड़ने पर चिकित्सकीय सहायता लें।

सतर्क रहें -

- ✱ स्कूल में तापमान और पूर्वानुमान डिस्प्ले लगाएँ।
- ✱ स्थानीय मौसम की खबरों के लिए रेडियो सुनें, टीवी देखें और समाचार पत्र पढ़ें और उसके अनुसार कार्य करें।
- ✱ भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) की वेबसाइट https://mausam.imd.gov.in पर मौसम का नवीनतम अपडेट प्राप्त करें।

आपातकालीन प्रतिक्रिया योजना-

- ✱ त्वरित चिकित्सा सहायता के लिए आपातकालीन संपर्क नंबर व जनस्वास्थ्य केंद्रों की लिंक सेट करें।

सरकार और स्थानीय प्रशासन का सहयोग करें-

- ☐ स्कूलों को स्वास्थ्य मार्गदर्शन के लिए स्थानीय जन स्वास्थ्य केंद्रों के साथ समन्वय करना चाहिए।
- ☐ भारतीय मौसम विज्ञान विभाग द्वारा जारी आधिकारिक हीटवेव चेतावनियों का पालन करें।

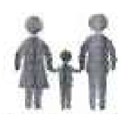

माता-पिता के लिए सलाह-

- ✱ माता-पिता को सलाह दें कि वे घर से निकलने से पहले सुनिश्चित करें कि बच्चे अच्छी तरह से हाइड्रेटेड हैं।
- ✱ फलों और सब्जियों के साथ हल्का भोजन करने के लिए प्रोत्साहित करें।
- ✱ अगर बच्चे गर्मी के कारण अस्वस्थ महसूस कर रहे हैं तो उन्हें स्कूल न भेजें।

उपखण्ड प्रशासन सिरोही

-: आम सूचना :-

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राज्य सरकार द्वारा ग्रीष्म ऋतु में हीटवेव की स्थिति के प्रभावी शमन और प्रबन्धन के लिए लू एवं ताप से बचाव के संबंध मे निर्देश प्रदान किये गये हैं:-

उक्त कार्य किये जाये :-

01. पर्याप्त पानी पियें अपने आपको हाइड्रेटेड रखने के लिए ओआरएस (ओरल रिहाइड्रेशन सॉल्यूसन) घर के बने पेय जैसे लस्सी, नींबू का पानी, छाछ आदि का सेवन करें।
02. हल्के रंग के ढीले, सूती कपडे पहने।
03. यदि कहीं बाहर है, तो अपना सिर ढके कपड़े, टोपी या छतरी का प्रयोग करें। आंखो की सुरक्षा के लिए धूप के चश्मे का प्रयोग करे और त्वचा की सुरक्षा के लिए सनस्कीन लगायें।
04. प्राथमिक चिकित्सा में प्रशिक्षण ले।
05. कार्यस्थल पर ठंडे पेयजल का प्रबंध करें।
06. सभी श्रमिकों आराम के लिए छाया, साफ पानी, छाछ, आईस पैक के साथ प्राथमिक चिकित्सा
07. किट और ओआरएस (ओरल रिहाइड्रेशन सॉल्यूसन) का प्रबंध रखें।
08. श्रमिकों के लिए सीधी धूप से बचने के लिए कहे।
09. श्रमिकों को लू से संबंधित चेतावनी के बारे में सूचित करें।
10. जिन श्रमिकों के लिए गर्मी वाले क्षेत्र नए हो, उन्हें हल्का काम और कम घंटों का काम दें।
11. बंद वाहन में बच्चों या पालतू जानवरों का कभी अकेला ना छोडे।
12. सार्वजनिक परिवहन और कार-पूलिंग का उपयोग करे। यह भूमण्ड लिए उष्मीकरण और गर्मी को कम करने में मदद करेगा।
13. पेड लगाये, सूखी पत्तियों, कृषि अवशेषों और कचरे को न जलाऐं।
14. जल स्त्रोतों का संरक्षण करें, वर्षा के जल को संचयित करें।
15. उर्जा-कुशल उपकरणों, स्वच्छ ईंधन और उर्जा के वैकल्पिक स्त्रोतों का उपयोग करे।
16. पशुओं को छाया में रखे और उन्हें पीने के लिए पर्याप्त, स्वच्छ और ठंडा पानी दें।
17. मवेशियों को हरी घास, प्रोटीन वसा बाई-पास पूरक, खनिज मिश्रण और नमक दें, कम गर्मी वाले घंटो के दौरान उन्हें चरने दें।

उक्त कार्य नहीं किये जायें :-

01. धूप में बाहर जाने से बचे, खासकर दोपहर 12 से 03 बजे के मध्य नंगे पाव बाहर न जायें।
02. शराब, चाय, कॉफी और कॉर्बोनेटेड शीतल पेय से बचें। वे शरीर को निर्जलित करते है।
03. पार्क किए गए वाहनों में बच्चों या पालतू जानवारों को न छोडे, वे गर्म हवा से प्रभावित हो सकते है।
04. ऐसे बल्बों का उपयोग करने से बचे जो अनावश्यक गर्मी उत्पन्न करते है, ठीक वैसे ही जैसे कि लगातार चलते हुए कम्प्यूटर या बिजली के उपकरण।

निवेदक :- कार्यालय नगरपालिका आबूरोड जिला-सिरोही